हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 01 | अंक : 303 : | जौनपुर, शुक्रवार 04 अगस्त 2023 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य : 2 रूपया

खनन के नए ब्लॉकों को चिह्नित करके बढ़ाया जाए खनिज उत्पादन : योगी

एजेन्सी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को कहा कि खनन के नए ब्लॉकों को चिह्नित करते हुए खनिज उत्पादन बढ़ाने की जरूरत है। भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग के कार्यों की उच्चस्तरीय समीक्षा करने के बाद योगी ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एनजीटी के आदेशों का अनुपालन करते हुए प्रदेश की नदियों का समय पर ड्रेजिंग कराने का कार्य हर हाल में पूरा किया जाए। इससे बाढ़ की समस्या का समाधान होने के साथ ही नदियों को चौनलाइज करने में भी मदद मिलेगी। इसके अलावा उन्होंने प्रदेश में खनन के नये ब्लॉकों को चिह्नित करते हुए खनिज उत्पादन बढ़ाने के भी निर्देश दिये। उन्होंने जोर दिया कि प्रदेश में ईंट उत्पादन के लिए उपजाऊ भूमि से मिट्टी निकालने की जगह वैकल्पिक स्रोतों को चिह्नित किया जाए और ईंट भट्ठों

को उसके लिए प्रोत्साहित किया जाए। मुख्यमंत्री ने एम सैंड को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिया और कहा कि इससे नदी तंत्र की परिस्थितिकी को संरक्षित करने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त, अपर मुख्य सचिव वन, प्रमुख सचिव खनन सहित अन्य अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक के दौरान प्रदेश में खनन पट्टों को बढ़ाने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि पर्यावरणीय एनओसी को शीघ्र प्रदान करने के लिए विभाग गंभीर प्रयास करे। उन्होंने अवैध खनन पर हर हाल में अंकुश लगाने और इंटीग्रेटेड माइनिंग सर्विलांस सिस्टम को और प्रभावी बनाने के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने कहा कि सीमावर्ती जिलों में कार्यरत 39 चेकगेट्स पर तकनीकी का उपयोग करते हुए बालू, मोरम, बोल्डर सहित अन्य खनिजों की माल ढुलाई के दौरान विशेष निगरानी बरती जाए। ओवरलोडिंग को हर हाल में रोका जाए। इसके साथ ही चेकगेट्स की संख्या भी बढ़ाई जाए। मुख्यमंत्री ने बाजार के मूल्य के हिसाब से खनिजों का मूल्य निर्धारित करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। इसके अलावा मेजर ब्लॉक की नीलामी के लिए नीतियों में आवश्यक परिवर्तन करने के भी निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने नदियों के रेप्लेनिशमेंट स्टडी में लगने वाले समय को और कम करने के निर्देश भी दिये। साथ ही एम सैंड के उत्पादन को बढ़ाने पर जोर दिया, जिससे नदियों के पारिस्थितिकी पर प्रतिकूल प्रभाव को न्यून किया जा सके। उन्होंने प्रदेश के विकास कार्यों को गति प्रदान करने के लिए भविष्य में बालू, मोरम का विकल्प उपलब्ध कराने पर भी जोर दिया। योगी ने प्रदेश में अधिकाधिक नये भंडारण को स्वीकृत करने के लिए प्रक्रिया के सरलीकरण को लेकर अधिकारियों को निर्देशित किया। साथ ही अलग अलग उपखनिजों के लिए भंडारण की अवधि को निर्धारित करने के लिए भी अधिकारियों को कहा। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि प्रदेश में फॉस्फोराइट, पोटाश, आयरन, प्लैटिनम समूह, स्वर्णधातु, सिलीमेनाईट, ऐडालुसाइट और लाइमस्टोन के 19 ब्लॉक ऑक्शन के लिए तैयार हैं। इसके अलावा वित्तीय वर्ष 2022–23 में 6762 लाख क्यूबिक मीटर उपखनिजों का उत्पादन प्रदेश में हुआ है, जिससे 3367.26 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ है। इसके अलावा वित्तीय वर्ष 2023–24 की पहली तिमाही की राजस्व प्राप्ति 95.6 प्रतिशत यानी 1093.6 करोड़ रुपए है, जोकि पिछले साल की पहली तिमाही की तुलना में 356.6 करोड़ रुपए अधिक है। प्रदेश के खनिज राजस्व में उपखनिजों का योगदान 70 प्रतिशत है। इसमें साधारण बालू, मॉरम, गिट्टी, बोल्डर उपखिनज संसाधनों का लगभग 91 प्रतिशत योगदान देता है।

राजस्थान: बर्खास्त मंत्री राजेंद्र गुढ़ा के घर पहुंची पुलिस, पॉक्सो केस की चल रही है जांच

एजेन्सी

जयपुर। राजस्थान में बर्खास्त किए गए मंत्री राजेंद्र गुढ़ा के सरकारी बंगले पर पुलिस ने दबिश दी। जानकारी के मुताबिक जिस समय राजस्थान पुलिस राजेंद्र गुढ़ा के आवास पर पहुंची तब वह वहां पर नहीं थे। इसके बाद पुलिस ने बंगले के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और वहां मौजूद स्टाफ से पूछताछ करने के बाद पुलिस की टीम वापस लौट गई। जोधपुर पुलिस जिले के ग्रामीण क्षेत्र के पीपाड़ थाने में दर्ज एक पॉक्सो मामले में जांच करने के लिए राजेंद्र गुढ़ा के सरकारी आवास पर पहुंची थी। बता दें कि, दो जुलाई को पीपाड़ थाने में नाबालिक से दुष्कर्म का मामला दर्ज हुआ था। पूछताछ में पता चला था कि राजेंद्र गूढ़ा के सरकारी बंगले के गार्ड रूम में उस लड़की को रखा गया था। पुलिस इस मामले में एक्ट के तहत मामला दर्ज किया था। इसी केस की जांच के सिलसिले में पुलिस राजेंद्र गुढ़ा के बंगले पर पहुंची। जोधपुर डीसीपी धर्मेंद्र यादव ने बताया कि बीकानेर से दो आरोपी पॉक्सो एक्ट में पकड़े गए थे। हमें पता चला था कि एक घटनास्थल जयपुर का है, ऐसा पता चला है कि पूर्व मंत्री राजेंद्र गुढ़ा ने एक अस्थाई

रैन बसेरा बनाया था, वही घटनास्थल है। अभी यह प्रारंभिक जानकारी है, जांच के बाद ही यह बातें स्पष्ट होंगी। राजेंद्र गुढ़ा लाल डायरी को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। उन्होंने बुधवार को इस डायरी के कुछ पन्ने सार्वजनिक भी किए थे। उन्होंने दावा किया कि इन पन्नों में कुछ कांग्रेस नेताओं के दो नंबर के लेनदेन का विवरण है और उन्होंने इनके हवाले से राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन (आरसीए) के चुनाव में भ्रष्टाचार का आरोप भी लगाया। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पिछले सप्ताह गुढ़ा के आरोपों को खारिज करते हुए कहा था कि ऐसी कोई श्लाल डायरीश मौजूद नहीं है और यह कपोल कल्पित है। गुढ़ा ने बुधवार को एक संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि तीन पन्नों में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बेटे वैभव गहलोत और आरसीए सचिव भवानी समोता और अन्य के बीच वित्तीय लेनदेन का विवरण है। वैभव गहलोत वर्तमान में आरसीए के अध्यक्ष हैं। गुढ़ा ने आरोप लगाया, मैं तथ्यों के आधार पर बोल रहा हूं कि आरसीए चुनाव में वोट खरीदे गए। ष कथित डायरी के एक पन्ने में यह आरोप लगाया गया है कि भवानी सामोता लोगों का पैसा नहीं दे रहे हैं और उन्होंने ज्यादातर लोगों से किया हुआ वादा पूरा नहीं किया।श्श गुढ़ा ने कहा कि डायरी की लिखावट का मिलान अशोक गहलोत के करीबी राठौड़ की लिखावट से किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि डायरी के कुछ पन्ने गायब हैं, लेकिन जो पन्ने उनके पास हैं, उन्हें वह जारी करेंगे।

मुख्यमंत्री के बयान पर गरमाई सियासत, सैलजा बोली, जनता की सुरक्षा नहीं कर सकते तो दे दो इस्तीफा

एजेन्सी

चंडीगढ़। हरियाणा के नूंह में हुए दंगों के बाद विपक्ष सरकार को बार–बार घेर रहा है। लेकिन अब मुख्यमंत्री मनोहर लाल के इस बयान हर व्यक्ति की सुरक्षा न पुलिस और न ही आर्मी कर सकती है, के बाद प्रदेश की सियासत और गरमा गई है। विपक्ष ने सीएम मनोहर लाल के इस बयान की आलोचना की है। कुमारी सैलजा का कहना है कि अगर मुख्यमंत्री प्रदेश के हर व्यक्ति की सुरक्षा नहीं कर सकते तो फिर उन्हें सत्ता में बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। उन्हें तुरंत त्यागपत्र दे देना चाहिए। फिर जनता जिसके हाथों में खुद को सुरक्षित महसूस करती होगी, उसे चुन लेगी। प्रदेश की जनता ने इन्हें इस उम्मीद के साथ सत्ता सौंपी थी कि संकट के समय उनकी जान–माल की रक्षा करेंगे। सैलजा ने कहा कि मुख्यमंत्री का यह बयान किसी भी हरियाणवी को स्वीकार नहीं है कि हर व्यक्ति की सुरक्षा न पुलिस और न ही आर्मी कर सकती है जबकि हकीकत तो यह है कि पौने तीन करोड़ हरियाणवियों की सुरक्षा की जिम्मेदार प्रदेश सरकार है। यह प्रदेश सरकार को देखना है कि वह अपने नागरिकों को कैसे सुरक्षित रख पाती है और कानून व्यवस्था के प्रति उनमें कितना विश्वास पैदा कर पाती है। उन्होंने कहा कि अगर 9 साल के साल के बाद अब मुख्यमंत्री यह कह रहे हैं कि वह प्रदेश के लोगों को सुरक्षा नहीं दे सकते तो उनके दिवालियापन की निशानी है। यहां रह रहे लोगों की सुरक्षा और भावनाओं के साथ खिलवाड़ करने का इन्हें कोई अधिकार नहीं है। मुख्यमंत्री का बयान हरियाणा के भविष्य से खिलवाड़ करने जैसा है।उन्होंने कहा कि यदि 9 साल के शासन के दौरान प्रदेश सरकार बिना किसी विवाद के पुलिस की एक भी भर्ती नहीं कर पाई है। जब भी इन्होंने पुलिस की भर्ती की, तो इनकी गलतियों, लिस्टों में हेराफेरी, भर्ती के दौरान प्रक्रिया व भर्ती नियम बदलने की वजह से वह हाईकोर्ट में जाकर अटक गई। इस सरकार को श्वेत पत्र जारी करना चाहिए कि उसने प्रदेश के पुलिस बल की संख्या में कितना इजाफा किया।

अमित शाह ने दिल्ली सरकार से जुड़े विधेयक को चर्चा एवं पारित करने के लिए लोकसभा पटल पर रखा

एजेन्सी

नयी दिल्ली। दिल्ली सरकार के अधिकारों और सेवा से जुड़े विधेयक–राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (संशोधन) विधेयक– 2023 पर लोकसभा में चर्चा शुरू हो गई है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को सदन पटल पर चर्चा एवं पारित करने के लिए इस बिल को रखा। विधेयक पर लोकसभा में चर्चा शुरू हो गई है।

बता दें कि केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने अमित शाह की तरफ से मंगलवार को लोकसभा में

दिल्ली सरकार के अधिकारों और सेवा से जुड़े विधेयक– राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (संशोधन) विधेयक–2023 को पेश किया था। अमित शाह के बोलने से पहले लोकसभा में कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने परंपरा के मुताबिक 19 मई 2023 को दिल्ली सरकार के अधिकारों और सेवा से जुड़े विषय पर राष्ट्रपति द्वारा लागू किए गए अध्यादेश को खारिज करने का प्रस्ताव सदन के सामने रखा। लोकसभा में हंगामे से नाराज चल रहे स्पीकर ओम बिरला सत्ता पक्ष और विपक्ष के कई नेताओं के मनाने के बाद अमित शाह के भाषण के दौरान सदन में आए और उन्होंने उस समय सदन के शांतिपूर्ण माहौल को देखकर कहा कि श्ऐसा ही माहौल बने रहना चाहिए। अपने भाषण के दौरान अमित शाह ने दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार और अन्य विपक्षी दलों पर जमकर निशाना साधा।

एअर इंडिया एक्सप्रेस के विमान को कोच्चि में एहतियातन उतारा गया

एजेन्सी

कोच्चि। कोच्चि से शारजाह जा रहे एअर इंडिया एक्सप्रेस के एक विमान के यात्री ने उड़ान भरने के तुरंत बाद कुछ जलने की बदबू आने की शिकायत की, जिसके बाद विमान को दो अगस्त की रात को यहां हवाई अड्डे पर एहतियात के तौर पर उतारा गया। एअरलाइन के एक सूत्र ने बृहस्पतिवार को बताया कि विमान के कोचीन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के तुरंत बाद एक यात्री ने कुछ जलने की बदबू आने की शिकायत की। उसने बताया कि इसके बाद एहतियात के तौर पर विमान को वापस लाने का फैसला किया गया। सूत्र ने बताया कि बुधवार देर रात को विमान को हवाईअड्डे पर उतारा गया।

मणिपुर के बिष्णुपुर में हिंसक झड़प, 20 महिलाएं घायल

एजेन्सी

इंफाल। मणिपुर में मैतेई और कुकी समुदाय के बीच जारी हिंसा को आज तीन महीने पूरे हो गए। बिष्णुपुर जिले में गुरुवार को सुरक्षाबलों और मैतेई समुदाय के बीच हिंसक झड़प हुई। स्थिति को संभालने के लिए सुरक्षाबलों ने हवाई फायरिंग की और आंसू गैस के गोले छोड़े। जिसमें 20 महिलाएं घायल हो गईं। दरअसल, गुरुवार सुबह करीब 11 बजे बिष्णुपुर में मैतेई समुदाय की महिलाओं ने बफर जोन को पार करने का प्रयास किया। असम राइफल्स ने उन्हें रोकने की कोशिश की। इस पर महिलाएं सुरक्षाबलों पर पथराव करने लगीं। भीड़ को तितर–बितर करने के लिए सुरक्षाबलों ने हवाई फायरिंग और आंसू गैस के गोले छोड़े। झड़प के बाद इंफाल और पश्चिमी इंफाल में कर्फ्यू में दी गई ढील वापस ले ली गई है।

बुधवार रात एक अफवाह फैली थी कि कुछ कुकी–जो लोगों के शव दफनाने के लिए बाहर ले जाए जा सकते हैं। इसके बाद इंफाल में रीजनल आयुर्विज्ञान संस्थान और जवाहरलाल नेहरू आयुर्विज्ञान संस्थान दो अस्पतालों के पास भीड़ जमा हो गई। हालांकि पुलिस भीड़ को शांत करने में कामयाब रही। रात 10 बजे तक कोई घटना नहीं हुई।

इंफाल के इन दोनों अस्पतालों की मॉर्च्युरी में ही इंफाल घाटी में जातीय संघर्ष में मारे गए लोगों के कई शव रखे हुए हैं। किसी भी हिंसा को रोकने के लिए यहां असम राइफल्स, रैपिड एक्शन फोर्स, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल और सेना की अतिरिक्त टुकड़ियां तैनात की गई हैं। इंफाल में अपुम्बा तेन्बांग लुप, पात्सोई विधानसभा क्षेत्र की महिलाओं ने 26 दिन बाद 2 किशोरों का पता नहीं लगा पाने के विरोध में प्रदर्शन किया। 3 मई को हिंसा फैलने के बाद से राज्य में दो पत्रकारों और दो किशोरों समेत 27 लोग लापता हैं। मोरेह से सुरक्षा बल हटाने को लेकर गुरुवार को 12 घंटे का कंग्पोक्पी बंद रहेगा। 3 मई को मणिपुर में मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति (ओबीसी) का दर्जा दिए जाने की मांग के विरोध में आदिवासी एकजुटता मार्च निकाला गया था। जिसके बाद वहां जातीय संघर्ष भड़क उठा। तब से लेकर अब तक वहां 160 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। 1000 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं।

हरियाणा में हिंसा: 4 जिलों में 83 एफआईआर दर्ज, 165 गिरफ्तार

एजेन्सी

चंडीगढ़। नूंह में हुई साम्प्रदायिक हिंसा के बाद प्रदेश के दूसरे जिलों में हुई हिंसा और विवाद में पुलिस अब तक 83 एफआईआर दर्ज कर चुकी है। नूंह के अलावा गुरुग्राम, रेवाड़ी और पलवल में केस दर्ज हुए हैं। फरीदाबाद में कई वारदात हुई हैं, लेकिन अब तक वहां केस दर्ज नहीं हुआ है। पुलिस 78 लोगों से सीआरपीसी की धारा 107, 150 और 151 के तहत पूछताछ कर रही है। नूंह हिंसा के बाद से अभी तक पुलिस द्वारा कुल 165 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

ज्ञानवापी में एएसआई सर्वे रहेगा जारी, एचसी ने कहा, न्याय के लिए जरूरी

एजेन्सी

वाराणसी। इलाहाबाद उच्च न्यायालय से हरी झंडी मिलने के बाद भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की टीम वाराणसी के ज्ञानवापी परिसर का सर्वे शुक्रवार को शुरू करेगी। जिलाधिकारी एस. राजलिंगम ने बृहस्पतिवार को संवाददाताओं को बताया कि एएसआई शुक्रवार से ज्ञानवापी परिसर के सर्वेक्षण का काम शुरू करेगा। उसने सर्वे कराने के लिए जिला प्रशासन से सहयोग मांगा है, जो उसे उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि सुरक्षा को लेकर वाराणसी के पुलिस आयुक्त से बात हुई है और जिला प्रशासन शुक्रवार को सर्वे कराने के लिए पूरी तरह से तैयार है। इस बीच, ज्ञानवापी मस्जिद परिसर के एएसआई सर्वे की इजाजत देने के उच्च न्यायालय के फैसले से एक इसका अनुरोध करने वाले पक्ष के लोग उत्साहित हैं। अखिल भारतीय संत समिति के महामंत्री जितेंद्रानंद सरस्वती ने उच्च न्यायालय के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि स्वतंत्रता के अमृत महोत्सव काल खंड में जब गुलामी के चिन्ह मिट रहे हैं, तो काशी में ज्ञानवापी के माथे पर लगे गुलामी के चिह्न को एएसआई का सर्वे मिटाने में सक्षम होगा। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने ज्ञानवापी मस्जिद परिसर के सर्वेक्षण के खिलाफ अंजुमन इंतेजामिया मस्जिद कमेटी की याचिका बृहस्पतिवार को खारिज कर दी। अदालत ने कहा कि इस निर्णय के साथ जिला अदालत का सर्वेक्षण संबंधी पुरानी आदेश तत्काल प्रभावी हो गया है। कमेटी ने गत 21 जुलाई के वाराणसी के जिला अदालत के आदेश को उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी।

राज्यसभा में गतिरोध खत्म करने के लिए सरकार ने विपक्ष से किया संपर्क

एजेन्सी

नयी दिल्ली। राज्यसभा में मणिपुर के मुद्दे को लेकर जारी गतिरोध को खत्म करने के लिए केंद्रीय मंत्रियों पीयूष गोयल और प्रह्लाद जोशी ने बृहस्पतिवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और कुछ अन्य विपक्षी नेताओं से मुलाकात की। सदन के नेता गोयल और संसदीय कार्य मंत्री जोशी ने विपक्षी नेताओं से ऐसे समय में मुलाकात की, जब विपक्ष के दलों ने सभापति जगदीप धनखड़ द्वारा बुलाई गई बैठक से दूरी बना ली। धनखड़ ने सदन को सुचारू रूप से चलाने पर सहमति बनाने के मकसद से बैठक बुलाई थी। दूसरी तरफ, उच्च सदन में कांग्रेस के मुख्य सचेतक जयराम रमेश ने कहा कि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) के घटक दलों ने गतिरोध खत्म करने के लिए बीच का रास्ता सुझाया है और उम्मीद है कि सरकार इसे स्वीकार करेगी। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि विपक्ष ने क्या पेशकश की है। रमेश ने ट्वीट किया, 'विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के घटक दलों ने गतिरोध को दूर करने और राज्यसभा में मणिपुर पर निर्बाध तरीके से चर्चा कराने के लिए सदन के नेता (गोयल) को बीच के रास्ते की पेशकश की है। उम्मीद है कि मोदी सरकार इसे स्वीकार कर लेगी।' संसद का मानसून सत्र के शुरू होने के बाद से ही विपक्षी सदस्य मणिपुर के मुद्दे पर नियम 267 के तहत चर्चा और प्रधानमंत्री के बयान की मांग कर रहे हैं।

बातचीत के लिए आतंकमुक्त माहौल जरूरी, पीएम शहबाज शरीफ के ऑफर पर विदेश मंत्रालय का बड़ा बयान

एजेन्सी

नयी दिल्ली। पाकिस्तान से भारत आई सीमा हैदर के मामले पर विदेश मंत्रालय ने बड़ा बयान दिया है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के ऑफर पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि बातचीत के लिए आंतकमुक्त माहौल बनाना जरूरी है। वहीं, अंजू से जुड़े मामले पर विदेश मंत्रालय ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि सीमा हैदर का मामले को एजेंसियां देख रही हैं। वहीं, भारत से पाकिस्तान गई अंजू के मामले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। बागची ने कहा कि अंजू का मामला विदेश नीति से जुड़ा हुआ नहीं है। उन्होंने कहा कि अंजू निजी तौर पर पाकिस्तान गई है। वहीं, बागची ने कहा कि पीओके भारत का हिस्सा है।

उन्होंने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के भारत से बातचीत के ऑफर पर कहा कि आतंक पर कार्रवाई होने के बाद ही बातचीत करेंगे। प्रवक्ता ने कहा कि बातचीत के लिए शांति जरूरी है। उन्होंने कहा कि बातचीत के लिए आंतकमुक्त माहौल बनाना होगा। बता दें कि 1 अगस्त को पाकिस्तान में जारी गंभीर आर्थिक संकट के बीच प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भारत के साथ बातचीत की पेशकश की। पीएम शरीफ ने भारत का जिक्र करते हुए मंगलवार को कहा कि युद्ध कोई विकल्प नहीं है और वह अपने पड़ोसी देश से बात करने को तैयार हैं। शहबाज शरीफ यहां 1965 (कश्मीर युद्ध), 1971 युद्ध (बांग्लादेश बंटवारा), 1999 (कारगिल युद्ध) का जिक्र कर रहे थे, तीनों में ही पाकिस्तान को मुंह की खानी पड़ी थी।

पाकिस्तानी समाचार वेबसाइट के मुताबिक, इस्लामाबाद में पाकिस्तान खनिज शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए पीएम शरीफ ने यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि हमें किसी से कोई शिकायत नहीं है, हमें अपना ख्याल रखना है और अपने देश का निर्माण करना है, यहां तक कि अपने पड़ोसी के साथ ही हम बात करने के लिए तैयार हैं, बर्शते वे मामलों पर चर्चा करने में गंभीर हों। भारत और पाकिस्तान के रिश्ते हमेशा से तनावपूर्ण रहे हैं। वर्ष 1947 में दोनों देशों की आजादी के बाद से लेकर अब तक तीन युद्ध हो चुके हैं। वहीं, हाल के वर्षों में रिश्तों में कड़वाहट इस कदर बढ़ चुकी है कि दोनों देशों के बीच हर तरह की वार्ता बंद है। पीएम शहबाज ने कहा कि लेकिन यह उतना ही अहम है कि हमारा पड़ोसी 'भारत' यह समझे कि हम तब तक सामान्य नहीं सकते जब तक असामान्यताओं को दूर नहीं किया जाता है और गंभीर मुद्दों को शांतिपूर्ण और सार्थक चर्चा के माध्यम से संबोधित नहीं किया जाता है।

सम्पादकीय

सेंधमारी से लाचारी

साइबर सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर नजर रखने के लिये बनी एक संसदीय समिति की रिपोर्ट के निष्कर्ष परेशान करने वाले हैं कि देश में पिछले तीन सालों में साइबर अपराध तीन गुना बढ़े हैं। साइबर अपराधों का शिकार बने लोगों की संख्या लाखों में जा पहुंची है। यह रिपोर्ट चौंकाती है कि देश में बीस लाख लोग साइबर ठगी का शिकार हुए। इन लोगों से करीब ढाई हजार करोड़ रुपया ठगा गया है। इसे ठगी कहने की बजाय लूट ही कहा जाना चाहिए। लोगों की खून–पसीने की कमाई का यूं सेकेंडों में पार हो जाना दुर्भाग्यपूर्ण है। हमारी डिजिटल सुरक्षा की परत कितनी लचर है कि ठगे गये 100 रुपये में से सिर्फ आठ रुपये की ही वापसी हुई। उपलब्ध आंकड़े बताते हैं कि अस्सी फीसदी से अधिक साइबर अपराध सिर्फ दस शहरों में हुए हैं। इसकी एक वजह यह भी कि गांवों व दूरदराज के इलाकों में साक्षरता दर में कमी और असुरक्षित डिजिटल प्रणाली के प्रति झिझक के चलते डिजिटली लेन–देन से परहेज किया जाता है। दरअसल, हमारे नीति–नियंताओं ने डिजिटल लेनदेन अपनाने की जरूरत तो बतायी है, लेकिन पर्याप्त सुरक्षा उपलब्ध कराने को प्राथमिकता नहीं दी। कहीं न कहीं बैंकिंग व्यवस्था की कमजोर कड़ियों का भी साइबर ठग शातिर ढंग से दुरुपयोग करते हैं। कई तरह के लूप–हॉल्स के जरिये साइबर अपराधी लोगों के खातों तक पहुंच जाते हैं। दरअसल, दुनिया के कई देशों में भी साइबर हमलावरों को सरकारी प्रश्रय दिया जाता है। हालांकि, उनके लक्ष्य कूटनीतिक हमले होते हैं, लेकिन उनकी आर्थिक अपराधियों से सांठगांठ से इनकार नहीं किया जा सकता है। कई अफ्रीकी देशों के साइबर अपराधी भारत आकर साइबर ठगी के धंधे में लिप्त पाये गये हैं। अनेक साइबर ठगी की घटनाओं में लूट की राशि का विदेशी खातों में हस्तांतरण बताता है कि देश में होने वाले साइबर अपराधों के तार विदेशों से भी जुड़े हैं। जिन तक पहुंच बना पाना पुलिस व साइबर अपराध नियंत्रण विभाग के लिये एक टेढ़ी खीर जैसा होता है। दरअसल, साइबर सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर रिपोर्ट देने वाली संसदीय समिति के कई तथ्य आंख खोलने वाले हैं। रिपोर्ट बताती है कि साइबर अपराध के मामलों में दो प्रतिशत से कम पीड़ित लोगों ने प्राथमिकी दर्ज करवाई। प्राथमिकी दर्ज होने की एक वजह जहां जागरूकता का अभाव है,वहीं लोगों में आम धारणा है कि गया पैसा मुश्किल से ही लौटता है, फिर पुलिस–कचहरी के चक्कर काटकर और मुसीबत क्यों मोल लें। आरोप लगते हैं कि व्यवस्था में व्याप्त लापरवाही व भ्रष्टाचार भी साइबर अपराधों को बढ़ावा देता है। खासकर लूट की राशि को जांच एजेंसियों की पकड़ से दूर रखने के लिये फर्जी बैंक खातों का दुरुपयोग भी इसका एक उदाहरण है। वहीं शातिर अपराधी व्यवस्थागत अनियमितताओं के चलते फर्जी आधार कार्ड व बैंक खाते हासिल करने में सफल हो जाते हैं। कई मामलों में साइबर ठगों ने जनधन खातों का उपयोग लूट की राशि को ठिकाने लगाने के लिये किया। कई रेहड़ी–फड़ी वालों व मजदूरों को प्रलोभन देकर खाते खुलवाये गये कि उनके खातों में सरकारी सुविधाओं का पैसा आयेगा। उनके खातों व एटीएम कार्डों का दुरुपयोग ये अपराधी करते रहे हैं। लेकिन सवाल यह है कि निजी बैंक इन खातों पर नजर क्यों नहीं रखते? उन्हें यह असामान्य क्यों नहीं लगता कि गरीब लोगों के खातों में ये लाखों रुपये कहां से और क्यों आ रहे हैं? क्यों दूसरे खाता संचालक व्यक्ति की संदिग्ध गतिविधियों पर नजर नहीं रखी जाती? पैसे का असामान्य प्रवाह यदि बैंक के अधिकारियों व कर्मचारियों की नजर में पहले आ जाये तो साइबर अपराधियों को लूट का पैसा हथियाने से रोका जा सकता है। कोशिश हो कि बैंक खातों के आधार कार्ड से लिंक होने का गलत लाभ साइबर अपराधी न उठा सकें। निस्संदेह, देश में साइबर ठगी की इन घटनाओं से डिजिटल इंडिया के लक्ष्यों को हासिल करने में बाधा उत्पन्न होगी। यदि सरकार साइबर सुरक्षा की गारंटी देगी और अपराधियों पर सख्ती से शिकंजा कसेगी तो लोगों का डिजिटल व्यवस्था पर विश्वास बढ़ेगा। इस दिशा में सख्त कानून की जरूरत भी महसूस की जा रही है।

आज का राशिफल

मेष :– प्रतिभाओं के बावजूद हीन भाव प्रतिभाओं के लाभ से वंचित होगा। कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुकूल चलने का प्रयत्न करें। सुख–साधनों की लालसा बढ़ेगी। घर में खुशहाली रहेगी।

वृष :– किसी कार्य में सफलता से उत्साह में वृद्धि होगी। भौतिक सुख–साधनों की लालसा बढ़ेगी। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन को निराश करेगी। परिश्रम से आर्थिक लाभ होगा।

मिथुन :– नीरस स्वभाववश रचनात्मक योजनाओं को सार्थक करने में असमर्थ होंगे। सब कुछ सामान्य होते हुए भी मन अरुचि का शिकार होगा। समस्याओं के समाधान से उत्साह में वृद्धि होगी।

कर्क :– काफी दिनों से अवरोधित कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने के आसार बनेंगे। काफी दिनों से प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा। शिक्षा प्रतियोगिता की दिशा में प्रयत्न सार्थक होगा।

सिंह :– नयी घरेलू जिम्मेदारियों के पैदा होने से व्यय संभव। प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा। नये कायरें के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्क रहें।

कन्या :– कर्जदारों से मन परेशान होगा। नये क्षेत्रों में प्रयास से लाभ संभव। व्यावसायिक यात्रा द्वारा लाभ संभव। नये संबंधों के सहयोग से आर्थिक कठिनाइयां दूर होंगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

तुला :– भावुकता व्यावहारिक जगत के अनुकूल चलने में बाधक होगी। अतः व्यावहारिक बने। भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं मन पर प्रभावी होंगी। विद्यार्थी शिक्षा में लापरवाही न बरतें। कल्पनाओं में न जियें।

वृश्चिक :– किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। सकारात्मक सोच को अपनाते हुए जीवन को सही दिशा की ओर केंद्रित करें। परिजनों के अनुकूल चलने की चेष्ठा करें। आलस्य त्यागें।

धनु :– संवेदनशील शरीर ग्रहों की प्रतिकूलता से बीमार पड़ सकता है। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन को निराश करेगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव।

मकर :– कुछ व्यासायिक कारणों से घर से दूर रहना पड़ सकता है। परिजनों की सुख–सुविधा के प्रति मन चिंतित होगा। मस्त–मौला मन व्यर्थ के कायरे में समय जाया कर महत्वपूर्ण कायरे के प्रति लापरवाह होगा।

कुंभ :– अच्छे कायरें से परिजनों के दिल में जगह बनायें। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। महत्वपूर्ण कायरें में लापरवाही न करें। जीवनसाथी के स्वास्य के प्रति सचेत रहें।

मीन :– थोड़ा संयमी व धैर्यवान बने। भाग्य से प्राप्त अच्छी–बुरी सभी स्थिति में समझौतावादी बनें। कुछ नई व्यस्तताएं सामने आएंगी। महत्वपूर्ण दायित्वों की पूर्ति हेतु प्रयत्न तीव्र होगा।

लोकसभा की ओर बढ़तीं खून की लकीरें

देश का हर वह इंसान क्षुब्ध और कहीं–कहीं पर बेबस दिखलाई दे रहा है जो लोकतंत्र में विश्वास रखता है और समानता व बंधुत्व के मार्ग पर ही समाज को बढ़ता हुआ देखना चाहता है। वह हतप्रभ है कि कैसे केवल 3–4 महीनों के भीतर–भीतर एक के बाद एक होती साम्प्रदायिकता घटनाओं की लपटों से देश घिर गया है। वह मौजूदा हालातों को लेकर चिंतित है। वह व्यथित है कि मणिपुर तो खाक हो ही गया है और कह नहीं सकते कि दिल्ली से सटे मेवात में लगी आग कब देश की राजधानी में प्रवेश कर जाये। जयपुर–मुंबई एक्सप्रेस की दो बोगियों और पेंट्री कार में सोमवार की अल्लसुबह जनता के रक्षार्थ दी गई सरकारी राइफल से जो शोले निरीह लोगों पर ही बरसे उसने यह भी बता दिया है कि घृणाजनित हिंसा लोगों के कितने भीतर तक घर कर गई है। ये अनायास घटी वारदातें होतीं तो कम से कम यह संतोष होता कि चलिये, आगे–पीछे इन पर काबू पा लिया जायेगाय पर अब महसूस होने लग गया है कि यह तमाम घटनाक्रम सुनियोजित व अंतर्गुंफित है। सब एक क्रोनोलॉजी के तहत किसी बड़े से मुकाम को हासिल करने के लिये सायास कराये जा रहे हैं। ऐसा मानने के कई कारण हैं। पिछले लगभग एक साल का घटनाक्रम व मौजूदा हालात देखें तो साफ है कि चुनाव जीतने के भारतीय जनता पार्टी व प्रधानमंत्री

नरेन्द्र मोदी के पुराने फार्मूले काम नहीं आने वाले। पुलवामा दोहराया नहीं जाएगा, क्योंकि इस पर संदेह के सारे बादल छंट चुके हैं कि अब ऐसी कोई भी घटना होने पर वे लोग इसके पीछे के खेल को जान जायेंगे जिन्होंने इससे द्रवित होकर भाजपा–मोदी की दूसरी बार ताजपोशी की थी। राममंदिर, महाकालेश्वर, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर आदि को जितना लाभ देना था, सारा मिल चुका है। हालांकि ज्ञानवापी मुद्दे को भी खोला जा रहा है। उधर राहुल गांधी के खिलाफ मोदी सरनेम को लेकर दिये गये उनके बयान पर दाखिल केस से वे कमजोर नहीं पड़े। उलटे, लोग जान गये कि उन्हें संसद से बाहर रखने के लिये ही यह अवमानना–अवमानना का खेल खेला गया था। राहुल लोगों की सहानुभूति बटोर ले गये और देश के ज्यादातर मजबूत विपक्षी दल उनके पीछे लामबन्द हो गये हैं। मोदी के कारोबारी मित्र गौतम अदानी के साथ उनके सम्बन्धों को लेकर आवाज उठाने के कारण लोकसभा से निकाल बाहर किये गये राहुल की आवाज दब न सकी और अब तो सत्ता पक्ष को धुकधुकी है कि सुप्रीम कोर्ट उनके खिलाफ सजा को रद्द न कर दे अथवा घटा न दे जिससे उनका सदन में वापसी का रास्ता खुल जाये। खैर, इस बारे में आने वाला समय ही खुलासा करेगा कि राहुल की लड़ाई सदन में लौट आती है या वे सड़कों पर ही सरकार विरोधी अपने हमलों को विस्तार देंगे। राहुल की भारत जोड़ो यात्रा पहले ही लोकप्रिय हो चुकी है। इसने मोदी की छवि को धराशायी कर दिया और इसके विपरीत लोगों को राहुल में एक जन नेता की वह तस्वीर दिखलाई पड़ने लगी जिसे एक खर्चीले अभियान के तहत उन ताकतों द्वारा विकृत कर दिया गया था, जिसका उद्देश्य एक लोकहितकारी सरकार को हटाकर ऐसी सरकार बनाना था जो पूंजीपतियों की तिजोरियां भर सके। मोदी इसी तरीके से केन्द्र की सत्ता में बैठे। उन्होंने अपने तमाम जनविरोधी फैसलों को धर्म और राष्ट्रवाद की चाशनी में लपेटकर यूं पेश किया कि आम जनता को उनकी कड़ुवाहट महसूस नहीं हुई। आर्थिक निर्णय से जनता कंगाल व कमजोर होती गई तो धर्म आधारित कामों से वे जनता का भावनात्मक दोहन भी करते रहे। एक तरह से उन्होंने देश को दो वर्गों में विभाजित कर दिया– एक बहुसंख्यकों का तो दूसरा अल्पसंख्यकों का। समानता पर आधारित समाज देश के लिए देखते–देखते इतिहास हो गया। आड़े आने वाले नेताओं से निपटने के लिए उन्हें केन्द्रीय जांच एजेंसियों की जांच टेबलों पर भेजा जाने लगा। देश की मुख्यधारा का मीडिया चाहे उन्हें महामानव साबित करता रहा हो, परन्तु विदेश में मोदी की भरपूर भद्द पिटी और अपनी कार्यपद्धति पर उन्हें मुश्किल सवालों का देश के बाहर सामना करना पड़ा। इधर अपनी तिजोरियों के मुंह खोल देने और तमाम हथकण्डों के बावजूद पहले हिमाचल प्रदेश और तत्पश्चात कर्नाटक के विधानसभा चुनावों में जब भाजपा खेत रही तो उसे अपने चिर–परिचित हथियार यानी साम्प्रदायिकता पर फिर से सान चढ़ाने की जरूरत महसूस होने लगी है। तभी तो मणिपुर की आग को खूब सुलगाया गया। कुकी समुदाय को मैतेइयों से भिड़ाकर भाजपा की डबल इंजिन सरकार इसलिए चुप बैठी रही क्योंकि वह स्थिति विस्फोटक ही सही परन्तु सामाजिक ध्रुवीकरण के काम आ रही थी (अब भी आ रही है)। मामला शीर्ष अदालत में पहुंचा और जब वहां मी लॉर्ड ने सख्ती दिखाई तो मोदी ने संसद भवन के बाहर संक्षिप्त बयान दिया पर मुख्य बात से वे अब भी भाग रहे हैं। अब जबकि सर्वोच्च न्यायालय ने मणिपुर के आला अधिकारियों को तलब कर ही दिया है तो केन्द्र सरकार व भाजपा के पांव कांप रहे हैं। छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, राजस्थान, तेलंगाना और मिजोरम विधानसभा चुनावों के निकट पहुंचकर भाजपा को अपनी राह कठिन दिख रही है। लोकसभा की डगर तो और भी जटिल। उसके कांग्रेस मुक्त, विपक्ष मुक्त, वंशवाद, प्रतिपक्षियों के कथित भ्रष्टाचार के नारे भोथरे होते जा रहे हैं, तो स्वाभाविकतरू भाजपा साम्प्रदायिक दंगों पर ही दांव खेलेगी। यह पहले से ही लग रहा था। मणिपुर से मेवात तक की रक्तरंजित घटनाएं एक ही डोर से बंधी है जिनसे टपकती खून की लकीरें लोकसभा–2024 की चौखट की तरफ जाती दिख रही हैं। भाजपा सम्भवतरू इसी खून से सने पैरों से संसद में प्रवेश की तैयारी कर रही है।

मणिपुर पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

आदित्य नारायण

मणिपुर में तीन महीने से ज्यादा समय से हिंसा हो रही है, लेकिन अभी तक हालात काबू में नहीं आ रहे। मणिपुर में वीडियो वायरल होने से पहले ज्यादातर लोगों को जातीय और साम्प्रदायिक हिंसा की गम्भीरता का जायजा ही नहीं था, लेकिन स्त्रीदेह पर घहिंसा से पूरा देश उबल पड़ा है। सैकड़ों लोगों के हजूम के बीच बिना कपड़ों के दो महिलाओं को पकड़ कर और उनके जिस्म से छेड़छाड़ बर्बरता ही है। मणिपुर के संघर्ष का सबसे बड़ा निशाना लड़कियां और महिलाएं ही होती हैं। लड़कियों का शरीर ही जंग का मैदान बनता है। अब दोनों महिलाएं अपने समुदाय का प्रतिनिधि बन चुकी हैं। भीड़ में अनेक लोग तमाशबीन भी होंगे। आज भले ही समाज यौन हिंसा के विरोध में खड़ा दिखाई देता है, लेकिन पुलिस प्रशासन और कानून पालक एजेंसियां यौन हिंसा करने वालों के साथ दिखाई देती हैं। अगर ऐसा न होता तो मणिपुर में दो महीने पहले हुई घटना के आरोपियों को पकड़घलिया जाता। सारी कार्रवाई वीडियो वायरल होने के बाद ही की गई। देश की सर्वोच्च अदालत सुप्रीम कोर्ट ने यहां तक कह दिया है कि दो महीने में मणिपुर में सब कुछ ध्वस्त हो चुका है। संवैधानिक मशीनरी तबाह हो चुकी है। कोर्ट इस कद्र नाराज थी कि उसने अगली सुनवाई के दौरान मणिपुर के डीजीपी को मौजूद रहने का निर्देश भी दे डाला। सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर से कुछ तीखे सवाल पूछे। मणिपुर की तरफ से पेश हुए महाअधिवक्ता ने बताया कि अब तक 6523 एफआईआर दर्ज की गई हैं और 252 लोग गिरफ्तार किए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने जांच के लिए हाईकोर्ट के पूर्व जजों की कमेटी बनाने की बात कही जो नुक्सान मुआवजे, पीड़ितों के बयान दर्ज करने की तारीखों आदि का ब्यौरा लेगी। कोर्ट ने अब तक की गई कार्रवाई का पूरा ब्यौरा मांगा। मणिपुर में जातीय संघर्ष में महिलाओं के साथ यौन हिंसा की यह अकेली घटना नहीं है। ऐसी अनेक घटनाएं सामने आ चुकी हैं। नफरत की राजनीति की ऐसी मानसिकता देश के लिए घातक हो सकती है। मुजफ्फरनगर हो या गुजरात या फिर कठुआ, जब भी दंगे हुए हमलावर समूह दूसरे समूह की महिलाओं के साथ यौन हिंसा करता नजर आया। ऐसी हिंसा को केवल यौन हिंसा समझना भूल है। ऐसी यौन हिंसा समुदाय के खिलाफ है। समाज और संविधान के मूलभूत ढांचे के खिलाफ है। इस यौन हिंसा को कानूनी तौर पर अलग

दृष्टि से देखना जरूरी है। राज्य और पुलिस प्रशासन अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकता। इसके लिए तय वक्त में केस का निपटारा बहुत जरूरी है और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा देना जरूरी है। अगर ऐसा नहीं किया गया तो भविष्य में जातीय वर्चस्व स्थापित करने के लिए हर कोई दूसरे समुदाय की महिलाओं के सम्मान से खेलने लगेंगे और महिलाओं का जीवन बदतर होता जाएगा। अगर वीडियो वायरल न हुआ होता तो लोग यौन हिंसा के आरोपों को मानते ही नहीं। मणिपुर में तीन महीने से किसी का कोई न कोई अपना मारा जा रहा है। बच्चे अनाथ हो रहे हैं। बूढ़े मां–बाप से उनके बुढ़ापे का सहारा छीना जा रहा है। गांव जलाए जा रहे हैं। एक गांव में मैतेई रहते हैं तो सामने वाले गांव में कुकी और नगा। बीच में खाइयां खोद दी गई हैं और लोग बंदूकें लेकर खड़े हैं। कुकी और मैतेई दोनों के बीच का द्वेष रोज गहराता नजर आ रहा है। यह लड़ाई आरक्षण की है, जमीन की है या संसाधनों की लड़ाई है। हर कोई अपने नजरिये से देख रहा है। यह द्वेष बहुत पुराना है और अब यह समय के साथ नासूर बन चुका है, जिसका दर्द पूरे मणिपुर को झेलना पड़ रहा है। इंसान और इंसानियत रोज मर रही है। हर कोई यही चाहता है कि घहिंसा करने वालों को जल्द दंडित किया जाए। कुछ वर्ष पहले की बात है 2007 में असम में भी इस तरह की घटना हुईथ्ी जिसमें महिला के कपड़े फाड़कर उसे सड़क पर दौड़ने को कहा गया और उसकी तस्वीरें भी खींची गईं। उस महिला के कई इंटरव्यू लिए गए और उसकी तस्वीरें भी वायरल हुईं।

मणिपुर में दो महिलाओं का वीडियो वायरल कर उनकी पहचान सबको बता देना और भी बुरा है। सुप्रीम कोर्ट ने भी इस पर कड़ा ऐतराज जताया है। मणिपुर खेलों में बड़े–बड़े राज्यों से आगे है। मणिपुर ने देश को मैरीकॉम तथा ध्डंको सिंह जैसे महान मुक्केबाज दिए हैं।

चानू मीराबाई जैसी शानदार वेट लिफ्टर भी मणिपुर से है। मणिपुर ने देश को गौरव और आनंद के अनेक अवसर दिए। राज्य में लोगों को वो जख्म मिले हैं जिसके निशान मणिपुर के इतिहास को हमेशा कलंकित करेंगे। आम जनमानस का सवाल यही है कि राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन तमाशबीन क्यों बना रहा?

शिक्षा क्षेत्र को समर्पित एक सरल सौम्य, विलक्षण व्यक्तित्व डॉ अंजनी कुमार शुक्ल

संजीव ठाकुर

अत्यंत सरल, सौम्य तथा नियमित तथा अनुशासित दिनचर्या के धनी डॉक्टर अंजनी कुमार शुक्ल ने बताया कि वे बाल्यकाल से ही शिक्षा के लिए समर्पित रहे हैं और उनका शिक्षा जगत में आने का उद्देश्य मानव को मानवीय संवेदनाओं तथा मानवता से साक्षात्कार कराने का रहा है इसके अलावा छात्रों में मानवीय मूल्यों को उभार कर उनका सर्वांगीण विकास कराना था। वह हमेशा से चाहते रहे हैं देश के ग्रामीण क्षेत्र खासकर अनुसूचित जाति जनजाति में शिक्षा का शत प्रतिशत प्रचार–प्रसार हो जिससे आडंबर ,अंधविश्वास तथा समाज में व्याप्त कुरीतियों से बचाया जा सके एवं उन्हें उच्च शिक्षा देकर समाज के उच्च स्थानों में स्थापित किया जा सके। उनका उद्देश्य यह भी रहा है कि वे ग्रामीण क्षेत्रों में व्याप्त अंधविश्वास एवं गलत व्यसन आदि से छात्रों को बचाकर उनका सर्वांगीण विकास कर समाज में उचित स्थान में स्थापित करें। चूंकि शुक्ला जी ग्रामीण पृष्ठभूमि से रहे हैं अतः उनकी सदैव इच्छा रही है कि ग्रामीण क्षेत्र में उच्च शिक्षा का व्यापक प्रचार–प्रसार हो और इसी संदर्भ और दिशा में उच्च शिक्षा विभाग में अपनी सेवा काल में सार्थक तथा अनथक प्रयास भी किए हैं। जिसके लिए वे छत्तीसगढ़ जैसे आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में लगातार अपनी सेवाएं देकर प्रयासरत रहे हैं। वे खुद भी व्यक्तिगत तौर पर कई छात्रों को आर्थिक सहयोग देकर आगे पढ़ने ,बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करते रहे हैं। इस दिशा में इनके परिवार के सदस्यों ने भी अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है उनके एक भाई आध्यात्मिक दिशा में एक स्थापित नाम हैं एवं इसके अलावा ऑर्थोपेडिक सर्जन के रूप मे, आईएएस अधिकारी के रूप में, बैंक में महाप्रबंधक तथा महाविद्यालय शिक्षा में प्राध्यापक रूप में सेवाएं प्रदान कर रहे हैं।शिक्षा की लगाई गई यह बेल अब पूरे परिवार में लहलहा रही है उनके पुत्र, पुत्र वधू, पुत्री, दामाद तथा भाइयों के पुत्र पुत्रियां उच्च पदस्थ डॉक्टर, इंजीनियर और प्रशासनिक सेवा में अपनी सेवाएं समाज में दे रहे हैं। वे लगातार शिक्षा के क्षेत्र में लोगों को विशेषज्ञ सलाह देते रहते हैं और स्त्री शिक्षा के बड़े हिमायती भी हैं। ग्रामीण परिवेश में किसान परिवार में जन्म लेकर डॉक्टर अंजनी कुमार शुक्ल ने प्राथमिक तथा हायर सेकेंडरी राहोद ग्राम जिला जांजगीरसे प्राप्त की। 1971 में स्नातक परीक्षा ग्राम खरौद के महाविद्यालय से उत्तीर्ण कर स्नातकोत्तर राजनीति शास्त्र में की इसके पश्चात सीएमडी कॉलेज बिलासपुर से पॉलिटिकल साइंस में स्नातकोत्तर उपाधि में प्रावीण्य सूची में तृतीय स्थान प्राप्त किया था। उसके पश्चात विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन से राजनीति शास्त्र में एम,फिल कर प्रावीण्य सूची में प्रथम स्थान प्राप्त किया। डॉ अंजनी कुमार शुक्ला ने 1990 में गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर से राजनीति शास्त्र में ही पीएचडी कर डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की ,उल्लेखनीय है कि ग्रामीण परिवेश से निकले एक कृषक पुत्र द्वारा शिक्षा के उच्चतम प्रतिमान स्थापित कर छत्तीसगढ़ तथा मध्य प्रदेश के कई कॉलेज में व्याख्याता, प्राध्यापक ,परियोजना अधिकारी, कुलसचिव एवं स्नातकोत्तर महाविद्यालय में प्राचार्य का दायित्व ईमानदारी ,लगन एवं सत्य निष्ठा से सुशोभित किया,उन्हें उनकी विशिष्ट योग्यता, लगन तथा लगातार इमानदारी पूर्वक सराहनीय कार्य करने के फल स्वरुप अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा के रूप में पदस्थ किया गया । उसके पश्चात उन्हें उनकी उच्च गुणवत्ता की सेवा का ध्यान रखते हुए विश्वविद्यालय ने महाविद्यालय विकास परिषद रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर के संचालक का पद सौंपा, उन्हें 2017 अप्रैल में महामहिम राज्यपाल छत्तीसगढ़ शासन रायपुर द्वारा छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग रायपुर का अध्यक्ष यानी चेयर पर्सन नियुक्त किया गया। यह किसी ग्रामीण परिवेश के विद्यार्थी के लिए जिसने अपनी शिक्षा दीक्षा ग्राम के स्कूलों में प्राप्त कर शिक्षा के प्रति अपनी लगन को दर्शाते हुए एक नया कीर्तिमान बनाया। वे सर्वप्रथम तत्कालीन मध्यप्रदेश के अधीन रायपुर जिले की भगवान राजीव लोचन की पवित्र नगरी राजिम के एक निजी महाविद्यालय से अपनी सेवाएं प्रारंभ कर अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा तक की यात्रा में दो बार लोक सेवा आयोग की परीक्षा जिसमें प्रथम बार व्याख्याता एवं द्वितीय परीक्षा में प्रोफेसर पद के लिए चयनित हुए और फिर उसके बाद इनकी पदोन्नति लगातार होती रही। वे कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय रायपुर के कुलसचिव भी रहे। सीधे ,सरल,सौम्य एवं नियमित दिनचर्या के धनी डॉ,अंजनी शुक्ला जी संस्कृत तथा गीता के एक अच्छे ज्ञाता भी हैं उन्हें गीता के श्लोकों का कंठस्थ ज्ञान है।इसके अलावा डॉक्टर शुक्ला लोक सेवा आयोग छत्तीसगढ़ एवं मध्य प्रदेश के विशेषज्ञ चयनकर्ता एवं परीक्षक भी हैं उन्हें समय–समय पर साक्षात्कार के लिए एवं लोक सेवा आयोग के पदों के परीक्षार्थियों के चयन के लिए आमंत्रित किया जाता है। इसके अतिरिक्त वे आमंत्रण पर कई महाविद्यालय में व्याख्यान देने के लिए अपनी सेवाएं प्रदान करते रहते हैं।

आखिर मनुष्य से मनुष्य क्यों कटता जा रहा है?

मुंबई से कोई सौ किलोमीटर पहले एक सिपाही चलती ट्रेन में चार लोगों को गोलियों से भून डालता है। ऐसा भी नहीं है जैसा पुलिस अफसर बता रहे हैं कि वो बड़ा गुस्सैल है। गुस्सैल है तो सामने बैठे या खड़े लोगों को मारता! लेकिन वो तो चार–छह बोगियों में जाकर लोगों को चुन–चुनकर गोली मारता है! वो भी इसलिए कि राजनीतिक बहस करते–करते उसका उग्रवाद अचानक सिर चढ़कर बोलने लगता है! दूसरी तरफ नूंह में ब्रज मंडल यात्रा के दौरान हिंसा फैल जाती है। भरतपुर और ब्रज के पूरे इलाके में कहीं कर्फ्यू, कहीं निषेधाज्ञा लगानी पड़ती है। कई किलोमीटर तक जिसे, जहां, जो भी वाहन दिखा, उसे फूंक डाला। सड़क पर रेंगते वाहनों से भला किसी की क्या दुश्मनी हो सकती है! वो भी उस ब्रज के इर्द–गिर्द, जहां मिठाई की दुकान से कोई जलेबी चुराकर भागता है तो आज भी लोग कन्हैया–कन्हैया पुकारते हुए दर्शन की खातिर उसके पीछे भागने लगते हैं! उस ब्रज में जहां रिक्शे या ऑटो के सामने गैया आ जाए तो लोग हॉर्न बजाकर नहीं बल्कि राधे–राधे कहकर उसके हटने की राह तकते हैं! उस ब्रज में जहां आज भी किसी के घर जाते हैं तो अपने कृष्ण लल्ला की मूर्ति को साथ ले जाते हैं, यह सोचकर कि पीछे लल्ला के खान–पान का ख्याल कौन रखेगा? ऐसा मणिपुर जहां न शक्ति स्वरूप महिलाओं की कद्र है, न मनुष्य मात्र की। आदमी से आदमी कटता जा रहा है, जैसे डंगर खुद ही फांक–फांक होता है। पहाड़ जहां पहाड़ नहीं, मौत के टीले नजर आते हैं। स्कूल शरणार्थी शिविर हो गए हैं और गलियां जैसे सारी की सारी श्मशान घाट को जा रही हों! कुकी, मैतेई को मार रहा है और मैतेई, कुकी को। कोई सरकार, कोई सुरक्षा बल और कोई सेना इन्हें रोक नहीं पा रही है। हमारा राजनीतिक चातुर्य आखिर किस खोह में बंद हो गया है? दरअसल, जीवन के सारे दुरूख–दर्द जिनके लिए मायने नहीं रखते, अक्सर वे ही राजनीतिक बहस में उलझते हैं। वर्ना बहस करने के लिए और भी कई मुद्दे पड़े हैं। महंगाई, बेरोजगारी, बढ़ती वैमनस्यता, घटती करुणा–दया, लेकिन आज इन सब की किसी को न परवाह है, न फिक्र। इसलिए राजनीतिक बहस करते फिरते हैं। फिर राजनीति में धर्म आता है। सम्प्रदाय आते हैं। जातियां और इनके भीतर छिपे गोत्र भी आते हैं। यहीं से तमाम तरह के विकार जन्म लेते हैं। फिर कोई सिपाही पालघर के पास चार लोगों को भून डालता है। फिर किसी ब्रज मंडल यात्रा के बीच संघर्ष होता है। आखिर किस पर भरोसा किया जाए?

व्यापारियों का उत्पीड़न नही होगा बर्दाश्त अनुराग

त्रिलोचन व्यापार मंडल कमेटी का हुआ पुर्नगठन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जलालपुर उद्योग व्यापार मंडल प्रतिनिधि के प्रांतीय उपाध्यक्ष जिलाध्यक्ष इन्द्रभान सिंह श्इन्दुश के आदेश एवं जिला महामंत्री हारिफ हबीब के निर्देश पर त्रिलोचन महादेव व्यापार मंडल कमेटी भंग कर नए पदाधिकारियों का चयन करने के लिए त्रिलोचन महादेव बाजार के अध्यक्षध्रदेश मंत्री अनुराग वर्मा से कहा।अनुराग वर्मा ने गुरूवार को व्यापारियों की एक बैठक त्रिलोचन महादेव मंदिर स्थित यादव धर्मशाला में कराया।व्यापार मंडल अध्यक्षध्रदेश मंत्री अनुराग वर्मा ने व्यापार मंडल के नए पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।इस दौरान अध्यक्ष अनुराग वर्मा ने कहा कि व्यापारियों का उत्पीड़न किसी कीमत पर बर्दाश्त नही किया जाएगा।इसके लिए हर कस्बे में व्यापार मंडल का गठन किया जाएगा।उन्होने कहा कि व्यापारियों को आए दिन जांच के नाम पर परेशान किया जाता है।जिसे बर्दाश्त नही किया जाएगा।बीते दिनों बाजार में हुए व्यापारियों के साथ अपराधिक घटनाओं का जिक्र करते हुए पुलिस चौकी स्थापित किए जाने की मांग की।इसके पूर्व अध्यक्षध्रदेश मंत्री अनुराग वर्मा ने नव निर्वाचित उपाध्यक्ष हैप्पी गुप्ता,गनेश चौहान,कोषाध्यक्ष चन्दन जायसवाल,महामंत्री प्रेम प्रजापति,बीरू अग्रहरी,अनंत रस्तोगी,मंत्री रितेश सिंह,दीपक दुबे,संगठन मंत्री सचिन सेठ,दीपक चौहान,मिडिया प्रभारी कुन्दन जायसवाल,आनंद अग्रहरी,अमित अग्रहरी,सदस्य दीपक अग्रहरी,संगम जायसवाल,धीरज गिरि,पंचम मोदनवाल,संतोष सेठ,संजय जायसवाल,सन्नी अग्रहरी,काले अग्रहरी,सुनील साहू,दुर्गेश अग्रहरी,संरक्षक माला सिंह,फोटू मोदनवाल,चुनमुन सिंह,चन्द्रेज दुबे,रामपत यादव,नागेन्द्र सेठ,अरविन्द अग्रहरी,जितेन्द्र अग्रहरी,अवधेश अग्रहरी,डॉ. रमेश चन्द यादव,अशोक अग्रहरी,सत्यप्रकाश गिरि,महेन्द्र राजभर,बजरंग अग्रहरी,सरोज मोदनवाल,गुलाब अग्रहरी,मुन्ना मौर्या सहित अन्य पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।समारोह में समाजसेवी चन्दन सेठ,नागेन्द्र सेठ,गोपाल साहू,फोटू मोदनवाल आदि ने व्यापारियों की एकजुटता पर बल देते हुए उनकी समस्या पर प्रकाश डाला।अध्यक्षता हरिशंकर मिश्रा तथा संचालन सचिन सेठ ने किया।

चार किलो 725 ग्राम गाजा के साथ एक गिरफ्तार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मड़ियाहूं पुलिस ने 4 किलो 725 ग्राम गाँजा के साथ एक अभियुक्त को किया गिरफ्तार किया है।पुलिस अधीक्षक डा0 अजय पाल शर्मा के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण शैलेन्द्र कुमार सिंह के निर्देश में तथा क्षेत्राधिकारी मडियाहूँ चोब सिंह के पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियो के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में प्र.नि सुधीर कुमार आर्या के नेतृत्व में गुरुवार को मुखबिर खास की सूचना पर रजमलपुर मेंहदीगंज मोड के पास से एक अभियुक्त नसीम अहमद पुत्र सलाउद्दीन नि. चकरबिया थाना मडियाहूँ, जौनपुर को गिरफ्तार किया गया। जिसके कब्जे से 04 किलो 725 ग्राम गांजा बरामद हुआ । गिरफ्तारीध्बरामदगी के आधार पर अभियुक्त के विरुद्ध मु.अ.सं. 192ध 2023 धारा 8/20 एन.डी.पी.एस. एक्ट थाना मड़ियाहूँ पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

ट्रकों से डीजल चोरी मामले में लंभुआ पुलिस को मिली बड़ी सफलता

सुलतानपुर। डीजल चोर गिरोह के चार चोर गिरफ्तार।रात में हाईवे हाईवे पर खड़ी ट्रैकों से चोरी करते थे डीजल।डीजल चोरों में सूरज सिंह पुत्र जंग बहादुर निवासी

हरिहरपुर थाना मुंशीगंज अमेठी,सनी यादव पुत्र दयाराम यादव खोखीपुर बंधुआकला ,अभय प्रताप सिंह पुत्र राम सिंह हरिहरपुर मुंशीगंज अमेठी,अंकुर सिंह पुत्र विंध्याबख्स सिंह निवासी उलराचंदौकी मुंशीगंज अमेठी को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल।स्कॉर्पियो गाड़ी से रात में हाईवे पर करते थे डीजल चोरी।लंभुआ कोतवाली क्षेत्र में हाईवे पर अब तक कई गाड़ियों से हुआ था डीजल चोरी।

देश में हिंदुओं में असुरक्षा बढ़ती जा रही है:अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। आज देश में हिंदू स्वयं को अत्यंत असुरक्षित महसूस कर रहा है। देश के बहुल हिंदू समाज की भावनाओं को निरंतर आहत किया जा रहा है अपने ही देश में अपनी ही धार्मिक भावनाओं को जिहादी मानसिकतओं के समाज द्वारा अपमानित होते हुए जीवन यापन को मजबूर है। देश में आज अलग–अलग प्रांतों में हिंदुओं की हत्या हो रही है। जिहादियों द्वारा केरल हो गुजरात हो राजस्थान हो उत्तर प्रदेश हो और कर्नाटक हो कश्मीर हो या मणिपुर वर्तमान में सभी देश के प्रांतों में जिहादियों द्वारा हिंदुओं की हत्या हो रही है। गाय काटी जा रही है। हिंदू महिला बेटी सुरक्षित नहीं है उनके साथ लव जिहाद रेप हत्या जैसी घटनाएं हो रही है। गत श्रावण मास जो हिंदुओं का पवित्र मास है, जिसमें देवाधिदेव महादेव को जलाभिषेक करने हेतु देश के अनेक भागों में कांवड़ यात्रा निकलती है, कावड़ियों पर हमले हो रहे हैं। मंदिर दर्शन करने के लिए जाने वाले यात्रियों पर हमला हो रहा है, उनकी हत्या हो रही है, उनके वाहन जलाकर हिंदुओं की संपत्तियों को लूटा जा रहा है। हरियाणा के नूह मेवात सोहना गुरुग्राम अनेक स्थानों पर आज संवेदनशीलता बनी हुई है। नूह में यात्रा करने वाले हिंदुओं पर हमले हुए उनके वाहनों को जलाया गया हिंदुओं की संपत्तियों को लूटा गया पुलिस बल पर हमले किए गए उनके वाहन जलाए गए इसी प्रकार दिल्ली के नागलोई में मोहर्रम के दिवस पर योजनाबद्ध तरीके से हमले हुए बहन बेटियों के साथ अत्याचार हुआ वाहनों को जलाया गया पुलिस पर हमले किए गए ऐसी स्थिति में जब सुरक्षा बल ही असुरक्षित है, तब सुरक्षा का जिम्मा कौन लेगा। हिंदू सदेव से संवैधानिक परंपराओं का निर्वहन करते हुए जीवन यापन करता है। परंतु इसी देश में जिहादी मानसिकता के साथ जीने वाला समाज निरंतर देश की शांति व्यवस्था को भंग करते हुए देश में लैंड जेहाद, लव जिहाद, गोकशी, मंदिर व यात्राओं पर पत्थरबाजी, गोली चलाना व आगजनी कर इस प्रकार के कृत्य करते हुए आतंक का वातावरण उत्पन्न कर रहा है। आज मणिपुर जहां पर बाहुल्य हिंदू समाज अपने ही राज्य में अपनी ही संपत्ति पर निष्कासित होकर शरणार्थी कैंपों में रहने के लिए मजबूर है सैकड़ों हिंदुओं की हत्या हुई है, उनके घरों को जला दिया गया है, बहन बेटियां असुरक्षित है हजारों हिंदू शरणार्थी कैंपों में रहने को मजबूर हैं। कानून व्यवस्था ध्वस्त हो चुकी हे ऐसी स्थिति में देश का हिंदू अपने आप को असुरक्षित महसूस कर रहा है। बरेली में धार्मिक यात्रा को रोककर पत्थरबाजी कर सुरक्षा बल का लाठी चार्ज करने का विषय हो या छोटे–छोटे स्थानों पर जहां पर जेहादी मानसिकता सक्रिय है ऐसी अनेक घटनाएं देश में घटित हो रही हैं। अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद राष्ट्रीय बजरंग दल मांग करता है कि तुरंत देश में समान कानून संहिता व जनसंख्या कानून लागू किया जाए देश में गौरक्षा प्रतिबंध कानून केंद्रीय कानून लागू हो, महिला सुरक्षा हेतु लव जिहाद एक्ट तैयार कर लागू किया जाए। मणिपुर के दंगों में हिंदू समाज को अविलंब उनके मकान दिए जाएं साथ ही मृतक के परिवारों को 10000000 रुपए वह घायल को /5000000 क्षतिपूर्ति दी जाए तथा संपत्ति का मुआवजा भी दिया जाए तथा मृतकों के परिवारों को सरकारी नौकरी दी जाए। देश में रह रहे बांग्लादेशी रोहिंग्या जिहादी घुसपैठियों को तुरंत पहचान देश से बाहर किया जाए। हिन्दू समाज को न्याय मिलेगा इसी अपेक्षा के साथ ज्ञापन दिया गया।उक्त अवसर पर तरुन शुक्ल प्रांतीय महामंत्री अहिप, डॉ वीरेंद्र प्रताप सिंह प्रांत अध्यक्ष राष्ट्रीय छात्र परिषद,संजय दुबे प्रांत संगठन मंत्री,पवन राय जिला महामंत्री, चन्द्र प्रकाश तिवारी विभाग महामंत्री अहिप, अंकित गुप्ता जिला मंत्री रा बजरंग दल, शिवम तिवारी नगर मंत्री रा छ प, कृष्ण दत्त दूबे (कुंवर)जिला अध्यक्ष राछ किसान परिषद,दरोगा सिंह, राकेश श्रीवास्तव, रमेश मिश्रा सहित अन्य कई पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रधानाध्यापिका रागिनी ने बढ़ाया जौनपुर का गौरव

कविता संग्रह चहक में उनकी 4 कविताएं शामिल

जौनपुर। भारत का शिराज कहे जाने वाले यमदग्निपुरमध् जौनपुर में प्रतिभाओं की कमी कभी नहीं रही। यह जनपद इतिहास में शिक्षा के लिए देश में मशहूर था। विदेशों से भी लोग यहां पर शिक्षा ग्रहण करने के लिए आते थे। आज यहां के प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षक भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। कुछ ऐसा ही कर दिखाया अभिनव प्राथमिक विद्यालय ककोरगहना की प्रधानाध्यापक रागिनी गुप्ता ने। उत्तर प्रदेश के 15 जिलों के अनुभवी शिक्षकों में जौनपुर की रागिनी ने भी अपना नाम स्वर्ण अक्षरों में अंकित करा लिया। बच्चों के लिए विभिन्न विषयों से संबंधित 140 कविताओं के संग्रह श्चहकश में रागिनी की 4 कविताएं शामिल हैं। यह जनपद के सभी शिक्षकों के लिए गौरव की बात है।

बच्चों के लिए लाभदायक होंगी कविताएं : रागिनी गुप्ता

गौरतलब हो कि श्चहकश का सम्पादन राज्य पुरस्कार प्राप्त शिक्षिका अरूना कुमारी राजपूत श्राजश द्वारा किया गया है। इस संबंध में रागिनी गुप्ता ने बताया कि उनकी 4 कविताएं श्चहकश में प्रकाशित होना उनके लिए गर्व का क्षण है। ये कविताएं निश्चित ही बच्चों के लिए लाभदायक होंगी। साथ ही शिक्षण कार्य में भी सभी शिक्षकों की मदद भी करेंगी। अभिनव प्राथमिक विद्यालय की प्रधानाध्यापिका होने के नाते मैं अपने विद्यालय के सभी शिक्षकों को भी प्रोत्साहित और उनका उत्साह बढ़ाती रहती हूं। साथ ही बच्चों की शिक्षा में कोई कोर कसर न छोड़ी जाए इसका भी पूरा ध्यान देती हूं। उनकी इस उपलब्धि पर उनके शुभचिंतकों, साथी शिक्षकों के साथ ही शिक्षा अधिकारियों ने भी उन्हें बधाई दी है।

ढाई महीने बाद ही कब्रिस्तान खोदकर निकाला गया युवक का शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा

पाटीदारों से मारपीट के दौरान चोट लगने के कारण हुई थी बेटी हो भाई ने जिलाधिकारी को दिया प्रार्थना पत्र हुई कार्रवाई

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। नगर कोतवाली थाना अंतर्गत सेंट पैट्रिक स्कूल के सामने स्थित हमजा चिश्ती दरगाह कब्रिस्तान पर उस समय मजमा लग लग गया जब अचानक से पहुचे अधिकारियों ने कब्र खोदवाना शुरू कर दिया। मौके पर पहुची मुस्लिम समुदाय की महिलाओं को देख लोग सकते में आ गए। मामला नगर के रिजवी खान मोहल्ला निवासी रिक्शा संचालक असलम की मौत का है।जिसकी ढाई महीने पहले मौत हो गयी थी।परिजनों द्वारा उसका शव रिति रिवाजो के साथ दफन कर दिया गया था। करीब ढाई महीने के बाद शुक्रवार को पुनः मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में उसकी लाश कब्र से निकाली गई।और उसे पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद उसी के अनुसार कार्रवाई होगी।

50 वर्षीय असलम पुत्र जब्बार निवासी रिजवी खान कोतवाली सदर जौनपुर का कुछ लोगों से विवाद हो गया था। सात अप्रैल 2023 को विवाद के दौरान हुए मारपीट में असलम घायल हो गए थे। एक सप्ताह तक जिला अस्पताल में भर्ती रहने के बाद वह घर गए और कुछ दिन के बाद 15 मई 2023 को अपने बहनाई के यहां गाजीपुर गए थे। वहीं पर उनकी मौत हो गई। परिवार के लोगों का आरोप था कि मारपीट में घायल असलम को सीने में गंभीर चोट आई थी। इस वजह से उनकी मौत हुई है। हालांकि उस दौरान बगैर पोस्टमार्टम कराए ही शव को दफन कर दिया गया था। वही इस मामले में पुलिस के अनुसार,असलम की पुत्री आसरा की तहरीर पर जावेद की पुत्री रोमा, पत्नी मुरक्शा और पुत्र आकिब के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। इसी मामले में जानकारी देते हुए शुक्रवार को सिटी मजिस्ट्रेट देवेंद्र सिंह ने बताया कि जिलाधिकारी के आदेश पर मेरी मौजूदगी में ढाई महीने बाद हम्जा चिस्ती दरगाह के सामने स्थित कब्रिस्तान से कब्र खोदकर असलम का शव निकाला गया और पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

इनका अपने पति धारों से जमीनी मामले को लेकर विवाद था ढा महीने पहले मारपीट हुई थी जिसमें इनको चोट लगी थी इसके बाद ही अपने रिश्तेदार के यहां गाजीपुर चले गए थे जहां उनकी मौत हो गई थी परिजनों ने स्वेच्छा से इन्हें दफन कर दिया था लेकिन ढाई महीने बाद मृतक के भाई और लड़कियों द्वारा जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर कब्र खोद जाने की मांग की गई थी जिसे कल में आज का वो खुद कर निकालकर पोस्टमार्टम की भेजा गया है रिपोर्ट आने के बाद अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी हालांकि मृतक की मौत गाजीपुर हुई थी लेकिन जाने वाला है इस लिहाज से अग्रिम कार्रवाई यही की जाएगी।

सरयू नदी में डूब रहे युवक को एसडीआरएफ व जल पुलिस के जवानों ने रेस्क्यू कर सकुशल बचाया

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।सरयू स्नान घाट पर स्नान करते समय आज सुबह लगभग 4रू00 बजे प्रेम प्रकाश उम्र लगभग 20 वर्ष पुत्र काशीराम ग्राम बेला पश्चिम पोस्ट बेला बक्स जिला सुल्तानपुर, स्नान करते समय पुराने सरयू पुल के पास अचानक गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे ड्यूटी पर तैनात एसडीआरएफ के जवान आरक्षी आफताब हुसैन ने अपनी जान की परवाह किए बगैर लाइफ जैकेट पहनकर युवक को बचाने के लिए नदी में कूद गए और डूब रहे व्यक्ति को सकुशल बचा लिया जिसका स्थानीय लोगों ने साहसी जवान की भूर भूर प्रशंसा की रेस्क्यू में शामिल प्रभारी जल पुलिस रूबे प्रताप मौर्य जल पुलिस आरक्षी अवनीश मिश्रा एसडीआरएफ प्रभारी रमेश वर्मा आरक्षी अनूप श्रीवास्तव आरक्षी आफताब हुसैन ने कड़ी मशक्कत के बाद रेस्क्यू कर, डूब रहे प्रेम प्रकाश को सकुशल बाहर निकाला एवं परिवार जनों को सौंपा।

शिक्षक निपुण लक्ष्य प्राप्ति हेतु करे शिक्षण कार्य -डॉ विनोद शर्मा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उप शिक्षा निदेशक/प्राचार्य डायट डायट परिसर में त्रैमासिक शिक्षक संकुल बैठक के दूसरे दिन प्रथम बैच मे मछलीशहर,खुटहन ,बरसठी के संकुल शिक्षको एवं द्वितीय बैच में सुजानगंज ,करंजाकला,रामपुर,नगर क्षेत्र के संकुल शिक्षको को संबोधित करते हुए उप शिक्षा निदेशकध्प्राचार्य डा विनोद कुमार शर्मा ने कहा कि जनपद में समस्त शिक्षक निपुणलक्ष्य प्राप्ति हेतु शिक्षण कार्य करे ,विद्यालय में दिये गए संसाधनों का सदुपयोग करे ,अपनी नैतिक जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए बच्चों को निपुण बनाये ।उप शिक्षा निदेशकध्प्राचार्य डा शर्मा ने बताया कि संकुल शिक्षक निपुण भारत मिशन में अपनी भूमिका को समझें,आप निपुण भारत मिशन के अग्रदूत है। आप ने बताया कि निपुण विद्यालय बनाने हेतु 5 पॉइंट टूल किट जिसमें शिक्षकों के बीच कक्षा आवंटन और कार्य विभाजन, संदर्शिका आधारित शिक्षण योजना का उपयोग, छात्रों का आकलन एवं रेमेडियल ,समुदाय सहभागिता एवं अभिभावक के साथ संपर्क, शिक्षक विद्यार्थी आत्मीय सम्बंध

का उपयोग कर विद्यालयों को निपुण बनाया जा सकता है । प्रशिक्षक डॉ संतोष कुमार तिवारी ने आधारशिला संदर्शिका भाषा व गणित के उपयोग, शिक्षण योजना, बिग बुक व गणित किट के उपयोग पर विस्तार से शिक्षक संकुल को बताया। डायट प्रवक्ता नीरज मणि तिवारी ने निपुण भारत मिशन के अन्तर्गत निपुण लक्ष्य, निपुण सूची ,निपुण लक्ष्य एप के उपयोग से आकलन ,शिक्षण में रीड एलांग ऐप,दीक्षा ऐप एवं संदर्शिका आधारित शिक्षण पर विशेष रूप से बताया ।बैठक में वरिष्ठ डायट प्रवक्ता डॉ आर एन यादव ,डायट प्रवक्ता अखिलेश कुमार मौर्य,वरुण यादव ,अमित कुमार, व्रज बंधु एवं अनुराग सिंह आदि उपस्थित रहे।

किसान बिना इजाजत लिए अब कुछ और प्रजातियों के भी पेड़ काट सकेंगे

अयोध्या। (क्राइम रिपोर्टर) मुकेश कुमार। अपने खेतों और निजी भूमि पर पौधे लगाने वाले किसानों को सरकार जल्द कुछ राहत दे सकती है। कुछ और प्रजातियों के पेड़ उस फेहरिस्त से बाहर किए जा सकते हैं, जिन्हें काटने के लिए वन विभाग से अनुमति लेनी होती है। फिलहाल, प्रदेश में पेड़ों की 29 ऐसी प्रजातियां हैं, जिन्हें बिना पूर्व अनुमति के नहीं काटा जा सकता। इसके अलावा सभी प्रकार के पेड़ बिना किसी पूर्व स्वीकृति के काटे जा सकते हैं।

निजी भूमि पर पौधरोपण बढ़ना जरूरी यूपी की बात करें तो ऐसी 29 प्रजातियां हैं, जिनके लिए पूर्व अनुमति जरूरी है। शासन ने यह व्यवस्था 31 दिसंबर 2025 तक के लिए कर रखी है। हालांकि अब प्रदेश में जिस तरह वन्य अभ्यारण्य और टाइगर रिजर्व की संख्या बढ़ रही है, ऐसे में संरक्षित क्षेत्र बढ़ रहा है। प्रदेश का हरित आवरण बढ़ाने के लिए निजी भूमि पर वृक्षारोपण बढ़ाने का ही विकल्प है। आम (देशीध्तुकमी), नीम, साल, महुआ, बीजासाल, पीपल, बरगद, गूलर, पाकड़, अर्जुन, पलाश, बेल, चिरौंजी, खिरनी, कैंथा, इमली, जामुन, असना, कुसुम, रीठा, भिलावा, तून, सलई, हल्दू, बाकलीध्करधई, धौ, खैर, शीशम व सागौन। अभी तक 29 प्रजातियों के पेड़ों के लिए अमूर्त कारण तय थे। इस लिस्ट में एक मूर्त कारण भी शामिल कर लिया है। प्रधान मुख्य वन संरक्षक अनुश्रवण द्वारा इस संबंध में आदेश भी दिया जा चुका है। इसके अनुसार सभी 29 प्रजातियों के पेड़ों का व्यास तय कर दिया गया है।

मिलावट करने वालों को बड़ा झटका, 10 कारोबारियों पर 3 लाख 61 हजार का जुर्माना

अयोध्या (क्राइम रिपोर्टर) मुकेश कुमार।अयोध्या खाद्य सुरक्षा एवं औषधि विभाग के द्वारा किये गये निरीक्षण में खाद्य एवं पेय पदार्थो में मिलावट पाये जाने पर विभिन्न वादों में अपर जिलाधिकारी की कोर्ट ने दस कारोबारियों के उपर 3 लाख 61 का अर्थदण्ड अधिरोपित किया गया।सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा व औषधि प्रशासन मानिक चंद्र सिंह के द्वारा खाद्य पदार्थो में मिलावट करने वालों के खिलाफ अभियान चलाया जाता रहता है। जिसमें मिलावट करने वालों के बड़ा झटका लगा है।सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा व औषधि प्रशासन मानिकचंद्र सिंह ने बताया कि मिलावटी समान में जीरा ब्राण्ड तीन इक्कें में तीस हजार, रुदौली निवासी रस्क निर्माता के उपर साठ हजार, बीकानेरी रसगुल्ला भण्डार में तहसील सोहावल के दो प्रतिष्ठान पर 35 हजार, दूध बेचने वाले तीन के उपर 12–12 हजार, बीकापुर स्टेशन मोड़ तिराहा पर मिल्क केक में 25 हजार, तरबगंज निवासी के उपर खोआ बेचने पर 20 हजार, बालकराम कालोनी मे बेसन का लड्डू पर 25 हजार व रिकाबगंज में पतंजलि ब्रांड तेल पर 1 लाख तीस हजार का जुर्माना किया गया है।

'ज्ञानवापी पर हाईकोर्ट के फैसले को अयोध्या के संतो ने बताया सत्य और संविधान की जीत'

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।मुझे संविधान पर भरोसा और कोर्ट पर विश्वास था सावन का अधिक मास चल रहा है सब भोले की कृपा –राजू दास महंत हनुमानगढ़ी

संविधान के रास्ते में देर भले हो लेकिन जीत अवश्य मिलती है इसलिए अब बहुत जल्दी सत्य उजागर होने वाला है –जगतगुरु परमहंस आचार्य

यह न्याय की जीत जीत है सत्य की जीत है संविधान की जीत है और सभी सनातनी हिंदुओं के धैर्य की भी जीत है– जगतगुरु परमहंस आचार्य

हिंदुओं के लिए बहुत बड़ी जीत है यथार्थ सत्य जल्द ही सामने आएगा जो ज्ञानवापी शिवालय है –संत दिवाकराचार्य।

अनादिकाल से ज्ञानवापी मंदिर है ज्ञानवापी का सीधा संबंध हिंदू से है कुरान में इसका कहीं उल्लेख भी नहीं है –संत दिवाकराचार्य।

UWPA के जिला संगठन ने नवागत डी आई का भेट कर स्वागत किया

सुल्तानपुर। यूनाइटेड वेलफेयर फार्मासिस्ट एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष के निर्देशन में जनपद की जिला कार्यकारिणी ने नवागत जिला औषधि निरीक्षक राजू प्रसाद का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया UWPA के जिला अध्यक्ष शादाब खान ने जिला टीम के साथ भेट कर संगठन सदस्यों का परिचय कराते हुए वहां पर उपस्थित सभी जनपद के फार्मासिस्टो को हो रही समस्याओं के बारे में भी चर्चा की गयी जिसमें औषधि निरीक्षक ने सभी साथियों का धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि आप सभी हमारे संवर्ग से आते हैं आप सभी की जिम्मेदारी हमारी हैं जनपद में हमारे स्तर से कोई भी समस्या नहीं होगी। डी.आई ने कहा आप सब की जो भी समस्याएं उन समस्यों का प्राथमिकता से निस्तारण किया जाएगा।

इस मौके पर जिलाध्यक्ष शादाब खान, जावेद अहमद, फैसल खान सिद्धांत,विवेक सिंह भरत कसौधन, सहबाज,अकरम अंसारी आदि दर्जनों फार्मासिस्ट उपस्थित रहे।

कविता

नारी का स्थान और बदलता परिदृश्य

देख आज मणिपुर की घटना आंख मेरी भर आई है,
शर्मसार हो मानवता भी देती आज दुहाई है ।
सुनो कापुरुष यूं ही तुमने नारी गौरव हरण किया,
तेरी संतति बढ़े धरा पर उसने तुमको वरण किया ।
इक नारी मां बनकर तुमको इस धरती पर लाई है,
इक नारी ही बिन भाई की सूनी पड़ी कलाई है ।
इक नारी जीवन में आए घर आंगन महका जाए,
मां, बहनों से आगे बढ़ जीवन भर साथ निभा जाए ।
इक नारी गोदी में खेले देती है उल्लास नया,
कभी अगर गम हो जीवन में वो देती है हास नया ।
कभी डांटती, कभी झगड़ती,कभी वो उलझन हरती है,
कदम कदम पर संबल बनकर अदभुत साहस भरती है ।
कैसे भूल गए नारी से बार बार अभिनंदन को,
चरण वंदना मां की वो, बहनों के रक्षा बंधन को ।
बहना बेटी दिखी न तुमको क्या तुम हो इंसान नही,
मातृ शक्ति को हाथ लगाया क्या ये तुमको भान नहीं ।
कोई अगर किसी नारी पर ऐसा अत्याचार करे,
क्यों ना वो हथियार उठाए दुष्टों का संहार करे ।
रणचण्डी बन जाएं नारी दुष्ट आत्मा कांप उठे,
दावानल छोटा हो सम्मुख उनमें ऐसा ताप उठे ।
कहते श संगम श सुनो नारियों जब भी विपदा आयेगी,
भीड़ बनेगी गिद्ध तुम्हारा मांस नोचने आयेगी ।
आयेंगे कुछ लोग बाद में घड़ियाली आंसू लेकर,
दिखलाके झूठी मानवता जायेंगे जख्म नया देकर ।
सबल बनो संगठित रहोगी तभी बचेगी अस्मिता,
अब तो आशा नहीं बची कि भीड़ दिखाए नैतिकता ।।

संगम लाल मौर्य (शिक्षक) बल्दीराय,सुलतानपुर

आईजी व एसएसपी ने किया गोशाईगंज थाना का वार्षिक निरीक्षण

फीता काट कर आदर्श भोजनालय का किया लोकार्पण

अयोध्या। बुधवार को आईजी रेंज अयोध्या प्रवीण कुमार ने एसएसपी राज करन नय्यर ने थाना गोसाईंगंज का वार्षिक निरीक्षण किया।इस मौके पर उन्होंने थाने का निरीक्षण करने के बाद थाना परिसर में बने नवनिर्मित आर्दश भोजनालय का फीता काट कर लोकार्पण किया।इन दोनों अधिकारियों के पहुंचने पर उन्हें पुलिस कर्मियों ने सबसे पहले गार्ड आफ आनर दिया। उसके बाद आईजी रेंज अयोध्या प्रवीण सिंह व एसएसपी राज करन नैय्यर ने थाना परिसर में बने नवनिर्मित आदर्श भोजनालय का फीता काट कर लोकार्पण किया।वार्षिक निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाने के अभिलेख,कार्यालय, बैरिक का निरीक्षण करने के अलावा महिला हेल्प डेस्क आदि का निरीक्षण किया। इस मौके पर उन्होंने अभिलेखों के रख–रखाव व साफ–सफाई के संबन्ध में गोशाईगंज थाना प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार सिंह को निर्देश दिए।उन्होंने प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार सिंह को निर्देश दिए कि इस समय सावन माह के साथ साथ कांवड़ यात्रा चल रही है।इसके लिए आप पुलिस कर्मियों के साथ साथ हमेशा क्षेत्र में भ्रमणशील रहे जिससे सावन माह के साथ साथ कांवड़ यात्रा को सकुशल सम्पन्न हो। अगर कोई भी अराजक तत्व किसी भी तरह का व्यवधान उत्पन्न करने की कोशिश करते हुये दिखाई दे तो पुलिस उनके साथ सख्ती से पेश आये।

हम योग करके स्वस्थ भारत का निर्माण करेंगे: कृष्ण दत्त मिश्र

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। भारतीय आदर्श योग संस्थान प्राकट्य पर्व बड़े ही उत्साह पूर्वक मनाया। आज ही के दिन चार अगस्त को कस्तूरबा पार्क में योग की शुरुआत की थी। इसमें पूरा आज भारतीय आदर्श योग परिवार सम्मिलित हुआ। लोगों ने वृक्षारोपण तथा बच्चों को स्कूल में कला और योग का समागम कराया और संकल्प दिलाया कि हम योग करके स्वस्थ भारत का निर्माण करेंगे जिसमें मंच की अध्यक्षता सचिव राजकुमार ने की। राष्ट्रीय अध्यक्ष कृष्ण दत्त मिश्र योगाचार्य अपने साल भर के विकास कार्यों को अवगत कराया तथा अदृश्य शक्तियों का शरीर पर कैसे प्रभाव पड़ता है उसको लोगों को प्राणायाम के द्वारा बताया। साथ ही आदर्श व्यापार मंडल उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष संजय गुप्ता ने परिवार की विशेषता एवं कार्यों की प्रशंसा की। साथ ही बहुत से परिवार के सदस्य जो असाध्य रोग से पीड़ित थे वह ठीक हुए। उन्होंने अपने विचार रखे और योग करने का संकल्प लिया। भारतीय आदर्श योग संस्थान की महिलाओं ने अपने विचारों को रखा तथा सदैव लोगों को योग करने के लिए प्रेरित किया। लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया जिसमें प्रमुखता से कर्नल अभय सिंह, गोपाल गुप्ता, राजेंद्र, धर्मेंद्र, अनिल शर्मा, आनंद पांडे, चंद्रशेखर जाजू , सुभना द्विवेदी, कल्पना, रीता पांडे, श्रीमती शर्मा, रेनू सिंह, किरण, इसरार खान, राकेश, दीपक, कृष्ण कुमार गुप्ता, सान्याल जी आदि समस्त योग परिवार के सदस्य उपस्थित रहे। योगाचार्य के डी मिश्र ने उपस्थित लोगों को योग करने का संकल्प दिलाया।

प्राथमिक विद्यालय की शिक्षिका का बेटे सहित अपहरण की सूचना पर क्षेत्र में सनसनी

उमाकान्त लाला, ब्यूरो चीफ

शाहजहांपुर। जनपद के थाना सेहरामऊ दक्षिणी क्षेत्र में स्कूल छुट्टी के बाद स्कूटी से अपने बेटे के साथ घर जा रही शिक्षिका को कार सवार युवकों ने जबरदस्ती करते हुए बेटे समेत कार में बैठा लिया और अपने साथ ले गए । घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई।

क्षेत्र के गांव अल्हापुर में स्थित प्राथमिक विद्यालय में तैनात शिक्षिका पूनम शुक्ला रोजाना की तरह स्कूल में बच्चों को पढ़ाने के बाद समय लगभग 2रू00 बजे विद्यालय से छुट्टी के बाद अपने बेटे नीलू के साथ स्कूटी से घर जा रही थी। अभी

स्कूटी विद्यालय से मात्र 150 मीटर की दूरी पर पहुंची थी कि एक नीले रंग की क्विट कार सामने से आती दिखाई देनें पर किसी अनहोनी को भांपते हुए शिक्षिका ने बेटे से स्कूटी गांव के अंदर मुड़वा कर बचने की कोशिश की। वहीं कार सवार युवकों ने भी कार को मोड़कर तेजी से स्कूटी के पीछे गए और शिक्षिका एवं उसके बेटे को जबरदस्ती कार में बैठाने के बाद अपने साथ लेकर रफू चक्कर हो गये ।दिनदहाड़े घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई सूचना पर साथी अध्यापकों ने थाने पर सूचना दी। सूचना पर पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंच कर ग्रामीणों से पूंछतांछ कर जांच करने में जुटी है । समाचार लिखे जाने तक शिक्षिका का कोई सुराग नहीं लगा है।

अप्रहता शिक्षिका पूनम शुक्ला

एसडीआरएफ के जवान ने डूबते युवक को बचाया

अयोध्या। शुक्रवार की भोर चार बजे सरयू नदी में स्नान करने आए डूब रहे युवक को एसडीआरएफ के आरक्षी ने बचा लिया।मालूम हो कि शुक्रवार की भोर मे सुल्तानपुर जिले से युवक अपने परिवार के साथ पुराना पुल के पास स्नान कर रहा था।इसी बीच उक्त युवक स्नान करते करते गहरे पानी मे चला गया और वह गहरे पानी में डूबने लगा। वहां पर मौजूद लोगों द्वारा शोर मचाने पर वहां पर ड्यूटी में तैनात एसडीआरएफ के जवान आरक्षी आफताब हुसैन ने बिना देरी किए उक्त युवक को डूबने से बचा लिया।

नेशनल कैडेट कोर शाखा का शुभारंभ, विद्यालय में उत्साह का बना वातावरण

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

झा बरेला, हरिद्वार। बरेला। राजकीय इंटर कॉलेज लाठर देवा हुन नारसन की प्रांगण में दबब का शुभारंभ हुआ।

इस दबब के शुभारंभ में कर्नल और रमेश, सूबेदार मेजर की यार सिंह रावत, ट्रेनिंग कोऑर्डिनेटर रवि कपूर तथा सतेंद्र सिंह मुख अतिथि थे इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित छात्र–छात्राओं को दबब के महत्व के बारे में जानकारी दी।

प्रधानाचार्य राकेश शर्मा जी ने उपस्थित मुख्य अतिथि का आभार वक्त किया तथा दबब प्रभारी सुशील कुमार के प्रयासों की तारीफ की।

छात्राओं द्वारा सरस्वती जी तथा स्वागत गीत द्वारा प्रस्तुति कर उपस्थित मुख अतिथियों का हृदय जी लिया। उपस्थित अध्यापकों द्वारा मुख अतिथियों का स्वागत माला तथा स्मृति चिन्ह देकर किया गया।

छबब के खुलने से विद्यालय में उत्साह का वातावरण है।

तीन चरणों में चलेगा सघन मिशन इन्द्रधनुष 5.0 अभियान - सीएमओ

अभियान को सफल बनाने के लिए सीएमओ ने धर्म गुरुओं व मीडिया से अपील

अयोध्या। सघन मिशन इन्द्रधनुष 5.0 कौ सफल बनाने के लिए मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजय जैन ने जिले के सभी ब्लॉकों के ध ार्मिक गुरुओं के साथ साथ पत्रकारों के साथ बैठक किया।बैठक के दौरान सीएमओ डॉ जैन ने कहा कि यह अभियान तीन चरणों में चलेगा। उन्होंने बताया कि पहला चरण 07 अगस्त से 12 अगस्त तक,दूसरा चरण 11 सितंबर से 16 सितंबर तक तथा तीसरा और अंतिम चरण चरण अभियान 09 से 14 अक्टूबर के बीच चलेगा।उन्होंने कहा कि जिले में दिसंबर 23 तक मिजिल्स रुबेला उन्मूलन लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये इस अभियान में 0–5 वर्ष तक बच्चों को सम्मिलित किया गया है।एम आर टीकाकरण 95 प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करना है। उन्होंने बताया कि इस समय पेंटा/डीपीडी –1 से छूटे बच्चों की संख्या 2346,पेंटाध्डीपीडी – 2 से छूटे बच्चों की संख्या 2214, पेंटाध्डीपीडी –3 से छूटे बच्चों की संख्या 2285 के अलावा एम आर –1 से छूटे बच्चों की संख्या 2940,एम आर–2 से छूटे बच्चों की संख्या 2829 को चिन्हित किया गया है।उसी तरह से गर्भवती माताएं में शामिल टी डी –1 से छूटीं संख्या 1624,टी डी –2 से छूटी संख्या 1510 तथा टी डी बूस्टर – 305 को चिन्हित किया गया है। जिन्हें इस अभियान में शामिल किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह अभियान शनिवार व बुधवार को पूर्व की तरह ही चलता रहेगा।बैठक मे सीएमओ ने सभी धर्म गुरुओं से अपने अपने ब्लॉक और गाँव मुहल्लों मे जीरो से पांच साल के बच्चों निम्न बीमारियों से बचाव के टीके लगवाने मे सहयोग माँगा. टी. बी. पोलियो. पीलिया. काली खांसी. गला घोंटू. टेटनस. खसरा रुबेला. दिमागी बुखार. निमोनिया. दस्त रोग. साथ ही साथ गर्भवती महिलाओ को टेटनस के टीके लगाए जाएंगे। इस अवसर पर उन्होंने डीएमसी यूनिसेफ अयोध्या हवलदार सिंह यादव ने अलग अलग ब्लॉक के ट।ठ वैक्सीन एवाई वे डे न्स बिहे वियर / टीकाकरण से उदासीन / झिझक परिवार के बारे मे विस्तार से बताया। उन्होंने वहां पर मौजूद धार्मिक गुरुओं से इनको समझा बुझा कर घर घर परामर्श करके टीकाकरण मे सहयोग करने का अपील किया।इस अवसर पर जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ दिलीप कुमार,उप जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉक्टर राजेश चौधरी डी एम सी हवलदार सिंह डी एच ई आई ओ डी पी सिंह, यू आई पी से मनोज कुमार त्रिपाठी,शहरी नोडल डॉक्टर वेद प्रकाश त्रिपाठी अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर आरके सक्सेना के अलावा धर्म गुरु मोहम्मद इदरिश, ईमाम अली, अमिताभ अखिलेश,बीएमसी यूनिसेफ मसौधा,धीरेन्द्र नाथ पाण्डेय सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सावन स्पेशल अलबेली सखियों के साथ मनाया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। समाज सेविका रजनी प्रकाश के नेतृत्व में रूबी वर्मा के घर पर सावन स्पेशल अलबेली सखियों के साथ मनाया गया । अलबेली सखियों के साथ मिलकर हिस्सा लिया। आयोजक संगीता वर्मा , एंकरिंग का कार्य समाज सेविका रजनी प्रकाश एवम" शालनीं पांडेय द्वारा किया गया । सावन स्पेशल में सबको हँसाते और पूरे मस्ती के साथ सभी माहिला ग्रुप को गेम्स , गाने, डांस,में भी हिस्सा लिया। (१) सविता सिंह मिसेज सावन चुनी गई (२) गाने में पुष्पा चौधरी (३) डांस में सविता सिंह ,शालू ,(४) गुब्बारा डांस में इन्दु शर्मा , पूनम शुक्ला,(५) सुई धागा में स्वीटी श्रीवास्तव , ज्योति मिश्रा, और भी सभी महिलाओं ने सावन के कजरी गीत गाये। उनके नाम रजनी प्रकाश,शालनी पांडेय,रूबी वर्मा, संगीता वर्मा, अंजलि श्रीवास्तव, स्वीटी श्रीवास्तव, ज्योति मिश्रा, पुष्पा चौधरी, पूजा श्रीवास्तव,अनुपमा, इन्दु शर्मा, पूनम शुक्ला, सविता सिंह , शालू , मानसी वर्मा , पल्लवी शर्मा , रचना श्रीवास्तव ये सभी ने हिस्सा लिया।

चालक संघ का प्रान्तीय अधिवेशन 12 अगस्त को होगा

संवाददाता

लखनऊ। राजकीय वाहन चालक संघ, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग की बैठक में प्रान्तीय अधिवेशन की तिथि तय कर दी गई है। अधिवेशन 12 अगस्त 2023 को होगा। यह जानकारी प्रान्तीय अध्यक्ष शकील अहमद ने दी। प्रान्तीय अध्यक्ष ने बताया कि सिंचाई भवन के चौधरी चरण सिंह प्रेक्षागृह एनेक्सी में अधिवेशन मुख्य अतिथि मुख्य अभियंता इं. ए.के. सिंह की उपस्थिति में सम्पन्न होगा।

सावन मेले में आने वाले श्रद्धालुओं से पुलिस करे मित्रवत व्यवहार - आईजी प्रवीण कुमार

मेले को सम्पन्न कराने के लिये पर्याप्त संख्या में है सुरक्षा कर्मी - एसएसपी

अयोध्या।सावन मेला व कांवड़ यात्रा को शांति पूर्वक ढंग से सम्पन्न कराने के लिये कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहता।इस दौरान किसी भी तरह की कोई घटना नहीं घटे इसके लिए पुलिस विभाग के उच्चाधिकारी देर रात तक रणनीति बनाने में जुटे हुए हैं। इसी कड़ी में गुरुवार की देर रात आईजी रेंज अयोध्या प्रवीण कुमार ने एसएसपी राजकरन नय्यर के साथ पुलिस लाइन स्थित सभागार में जिले के सभी पुलिस अधिकारियों व थाना प्रभारीध्थानाध्यक्ष के साथ बैठक कर आवश्यक निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि अयोध्या एक अति संवेदनशील जिला है।राम नगरी में इस समय जहां एक ओर भारी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ दर्शन करने के लिये आ रही है वही सावन माह के चलते आने वाले दिनों में सावन झूला में भारी संख्या में श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। वही इस समय कांवड़ यात्रा मे कांवड़ियों की भी भीड़ बढ़ रही है। इसके लिए हम सभी को अपने अपने क्षेत्रों में भ्रमणशील होकर शांति पूर्वक ढंग से इस पर्व को सम्पन्न कराना है। इस मौके पर आईजी रेंज अयोध्या प्रवीण कुमार ने मौजूद पुलिस कर्मियों से कहा कि आप सभी यहां पर आने वाले सभी श्रद्धालुओं से मित्रवत व्यवहार करे और उनकी जहां तक हो पूरी तरह से मदद करे। जिससे अयोध्या पुलिस की अच्छी छवि दूर दराज तक जाये। वही उन्होंने सभी पुलिस कर्मियों को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि इस दौरान अगर कोई भी व्यक्ति किसी भी तरह का व्यवधान उत्पन्न करने की कोशिश करे तो आप उसके साथ सख्ती से पेश आये और उनके विरुद्ध कठोर से कठोर कार्रवाई करे। इस मौके पर एसएसपी राज करन नैय्यर ने कहा कि इस समय पर्याप्त संख्या में रैपिड एक्शन फोर्स के अलावा पीएसी व सुरक्षा कर्मी मौजूद हैं। इस लिए आप सभी को पर्याप्त संख्या में पुलिस बल मुहैया कराया जाएगा। लेकिन इस दौरान किसी भी पुलिस कर्मियों के क्षेत्र में अगर किसी भी की उपद्रव व अन्य घटनाएं होती हैं तो गंभीर परिणाम भुगतने को तैयार रहें। इस मौके पर एसपी सिटी मधुबन कुमार सिंह, एसपी ग्रामीण अतुल कुमार सोनकर के अलावा जिले के सभी सीओ व प्रभारी निरीक्षकध्थानाध्यक्ष मौजूद रहे।इसी कड़ी में कोतवाली नगर क्षेत्र में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर अश्वनी कुमार पाण्डेय व कोतवाली अयोध्या में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली अयोध्या मनोज शर्मा के नेतृत्व में रैपिड एक्शन फोर्स के जवानों ने फ्लैग मार्च किया।

मेडिकल एसिसमेन्ट कैम्प मड़ियाहूं

जौनपुर ब्यूरो

आज दिनांक 04/08/2023 को मड़ियाहूं बीआरसी परिसर में मेडिकल असेसमेंट कैंप का आयोजन खंड शिक्षा अधिकारी मड़ियाहूं डॉ.अविनाश सिंह की अध्यक्षता में किया गया। जिसमें उन्होंने दिव्यांग बच्चों के शिक्षा सुविधाओं से संबंधित जानकारी दी।जनपद की स्वास्थ्य विभाग की टीम अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, डॉ. एस. सी.वर्मा नेत्र विशेषज्ञ , डॉ. अजय सिंह हड्डी रोग विशेषज्ञ, डॉ. पीडी तिवारी फिजियोथेरेपिस्ट,ओडियोलाजिस्ट सुरेंद्र प्रजापति द्वारा क्रमशरू एम. आर. ,दृष्टि बाधित,अस्थि दिव्यांग,मंदबुद्धि बच्चों को चिन्हित कर मेडिकल सर्टिफिकेट के लिए नामित करते हुए कुल 50 बच्चों को

उपकरण हेतु लाभान्वित किया गया। उक्त कैंप में सचिन मिश्रा ,सुनीता कुशवाहा, लल्लन पांडेय आईटी टीचर्स का सहयोग प्राप्त हुआ।उपस्थित अभिभावकों की काउंसलिंग में लालबहादुर यादव कंपोजिट शुदनीपुर,अच्छेलाल यादव एवं रविचंद्र यादव जिला महामंत्री द्वारा प्राथमिक शिक्षक संघ का विशेष सहयोग प्रदान किया गया।

असंगठित मजदूर हितों के लिए प्रमुख सचिव से मिला साझा मंच का प्रतिनिधि मंडल

संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के असंगठित मजदूरों और निर्माण मजदूरों को आयुष्मान कार्ड, आवास, बीमा, शिक्षा, रोजगार आदि देने की मांगों को लेकर असंगठित क्षेत्र के साझा मंच का प्रतिनिधिमंडल प्रमुख सचिव श्रम श्री अनिल कुमार तृतीय से मिला और उनसे हस्तक्षेप करने मजदूर समस्याओं के हल की मांग की। प्रतिनिधिमंडल में साझा मंच के कोऑर्डिनेटर व एटक के प्रदेश महामंत्री चंद्रशेखर, यूपी वर्कर्स फ्रंट के अध्यक्ष दिनकर कपूर और संयुक्त निर्माण मजदूर मोर्चा के प्रदेश कोऑर्डिनेटर प्रमोद पटेल शामिल रहे। आज हो रही बोर्ड की बैठक में मजदूरों के हितों के संबंध में कार्य योजना बनाएं जाने और बीओसी बोर्ड कार्यालय में निर्माण मजदूरों की समस्याओं के हल के लिए तत्काल बैठक बुलाने का भी निवेदन किया गया।

स्विगी एक्जीक्यूटिव्स ने निकाली बाईक रैली

संवाददाता

लखनऊ। शहर में फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म स्विगी की प्रतिबद्धता और समर्पण को प्रदर्शित करने के लिये आज यहां आईटी चौराहा से टेढ़ी पुलिया तक डिलीवरी एक्जीक्यूटिव्स ने बाईक रैली निकाली। यह रैली आगामी आठ अगस्त को आशियाना और 10 अगस्त को भी राजाजीपुरम क्षेत्र में निकाली जायेगी। बीते एक अगस्त को गोमतीनगर के स्विगी स्नो से एसआरएस मॉल के बीच शुरूआत की गयी यह बाईक रैली आज दूसरी बार आईटी चौराहा से टेढ़ी पुलिया तक निकाली गयी। रैली के दौरान स्विगी उपयोगकर्ताओं को एक कूपन कोड भी दिया गया, जिसमें 199 रुपये से अधिक के ऑर्डर पर 125 रुपये की फ्लैट छूट दी जाएगी। यह आकर्षक छूट स्विगी की ओर से उनके ग्राहकों की सराहना करने के लिए दी जा रही है।

मुख्यमंत्री का बयान आपत्तिजनक और लोकतंत्र के खिलाफ : भाकपा माले

संवाददाता

लखनऊ। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी–लेनिनवादी रेड स्टार राज्य सांगठनिक कमेटी ने एक बयान में वाराणसी स्थित ज्ञानवापी पर प्रदेश के मुख्यमंत्री के बयान की तीखी आलोचना की है और इस पर घोर आपत्ति जताते हुए इसे संविधान और लोकतंत्र के खिलाफ बताया है।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।